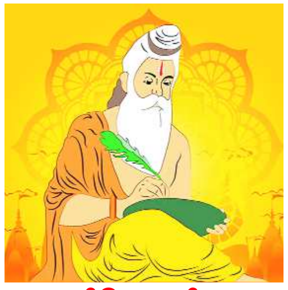

वाल्मीकि जयंती आज

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

dainikindoresanket24@gmail.com इंदौर, मंगलवार 07 अक्टूबर 2025 ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 280 ■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

2 भिक्षुक की सूचना देने पर मिलेगा एक हजार का इनाम

5 रणजी ट्रॉफी से वापसी कर सकते हैं पंत

6 ऑडिटर बसंत मंडलोई ने पद से दिया इस्तीफा

एमपी बीजेपी की टीम हुई तैयार : दिल्ली की मंजूरी बाकी, पुराने चेहरे बदलेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी को लेकर चल रहा मंथन पूरा हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ प्रदेश पदाधिकारियों के नामों पर चर्चा करने के बाद लिस्ट तैयार कर ली है। इसे मंजूरी के लिए केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जा रहा है।

हेमंत खंडेलवाल को प्रदेश अध्यक्ष बने 97 दिन हो चुके हैं। वे 2 जुलाई को इस पद पर नियुक्त किए गए थे। वे फिलहाल पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की बनाई गई टीम के साथ ही काम कर रहे हैं। बीते तीन महीनों से वे लगातार कार्यकर्ताओं से मुलाकातें कर रहे हैं। बीजेपी के सूत्र बताते हैं कि दिवाली के पहले प्रदेश कार्यकारिणी घोषित हो सकती है। वीडी शर्मा मध्य प्रदेश भाजपा के 5 साल 4 महीने 17 दिन तक प्रदेश अध्यक्ष रहे। उन्हें 15 फरवरी 2020 को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। कोरोना संकट के चलते उनका कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाया गया था। फिर संगठन चुनाव में हुई देरी के कारण उनका कार्यकाल अघोषित रूप से बढ़ता गया। वीडी शर्मा के साथ प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल रहे 8 पदाधिकारी सांसद और 8 पदाधिकारी विधायक बन चुके हैं। किसान मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी सांसद और मंत्री बन गए हैं। सितंबर 2021 में बीजेपी ने संभागीय संगठन मंत्रियों को हटा दिया था। बीजेपी के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने शैलेंद्र बरुआ (जबलपुर और होशंगाबाद), आशुतोष तिवारी (भोपाल और ग्वालियर), जितेंद्र लिटोरिया (उज्जैन), श्याम महाजन (रीवा और शहडोल), जयपाल चावड़ा (इंदौर) और केशव सिंह भदौरिया (सागर और चंबल) को संभागीय संगठन मंत्री पद से हटाकर प्रदेश कार्यसमिति में सदस्य बनाया था। इन संगठन मंत्रियों में केशव भदौरिया को छोड़कर 5 नेताओं को राज्य सरकार ने मंत्री का दर्जा देकर निगम मंडलों में एडजस्ट किया था। अब बीजेपी की नई प्रदेश कार्यकारिणी में इन पुराने संगठन मंत्रियों की वापसी हो सकती है।

कार्यालय प्रभारी और महामंत्री के लिए जोड़-तोड़

बीजेपी की प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल होने के लिए नेताओं ने दिग्गजों से खूब सिफारिश लगवाई है। सबसे ज्यादा लॉबिंग प्रदेश महामंत्री बनने के लिए कराई गई है। प्रदेश कार्यालय प्रभारी और कार्यालय मंत्री के लिए भी नेताओं ने नए प्रदेश अध्यक्ष से कई बार मेल-मुलाकातें की हैं।

मंत्री, सांसद बने मोर्चों के अध्यक्ष भी बदलेंगे

- बीजेपी की प्रदेश कार्यकारिणी के साथ ही मोर्चों के अध्यक्ष भी बदले जाएंगे। ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाह सामाजिक न्याय मंत्री बन चुके हैं। वहीं, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दर्शन सिंह होशंगाबाद से सांसद चुने जा चुके हैं।
- महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया राज्यसभा सांसद बन चुकी हैं। ऐसे में इन मोर्चों के अध्यक्षों के साथ ही युवा मोर्चा, एससी मोर्चा, एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी बदले जाएंगे।
- भोपाल में करीब 3 महीने पहले बीजेपी प्रदेश कार्यालय में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों की बैठक हुई थी। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा था कि मैंने कभी किसी से पद नहीं मांगा। मुझे तो महीने डेढ़ महीने पहले पता चला कि प्रदेश अध्यक्ष के लिए पांच-छह नामों में मेरा भी नाम चल रहा है तो मैंने डेढ़-दो महीने पहले से ही भोपाल आना बंद कर दिया था।

ब्रेकिंग न्यूज

- लखीमपुर खीरी : अजय मिश्र टेनी और बेटे आशीष मिश्रा पर गवाह को धमकाने के आरोप में एफआईआर दर्ज
- केजरीवाल को 95 लोधी एस्टेट का टाइप-7 बंगला अलॉट किया
- राजद के मधुबनी प्रभारी अनिसुर रहमान ने सभी पदों से दिया इस्तीफा
- कैलिफोर्निया में हाईवे पर हेलिकॉप्टर क्रैश, कई के हताहत होने की खबर
- कोयला, खनन-इस्पात पर संसदीय स्थायी समिति की बैठक आज
- ओडिशा के गंजम जिले में बीजेपी नेता और वकील पिताबास पांडा की गोली मारकर हत्या
- अमेरिका 1 नवंबर से आयातित ट्रकों पर 25% टैरिफ लगाएगा-ट्रंप
- जब हम कमजोर थे तब भी भारत किसी का सहयोगी नहीं बना- एस जयशंकर
- उमर खालिद और शरजील इमाम से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट में आज होगी सुनवाई
- नागालैंड में आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की होगी रैली
- यूएस : सीनेट ने रिपब्लिकन सरकार के वित्त पोषण विधेयक को किया खारिज
- आज सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर मामले पर होगी सुनवाई

इंदौर में अपर कलेक्टर का कार्य विभाजन

नवजीवन पंवार को और मिली पावर रिंकेश को कॉलोनी सेल का जिम्मा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • *अपर कलेक्टर आईएएस गौरव बैनल के सिंगरौली कलेक्टर बनने के बाद अब कलेक्टर शिवम वर्मा ने अपर कलेक्टर अधिकारियों के बीच नए सिरे से कार्यविभाजन कर दिया है। इसमें इंदौर में ट्रांसफर होकर आए आईएएस पवार नवजीवन विजय को कुछ और पावर बढ़े हैं। हालांकि रियल सेक्टर का अहम जिम्मा कॉलोनी सेल अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य को दिया गया है। बैनल के काम मुख्य तौर पर रिंकेश वैश्य और पंवार के बीच में दिए गए हैं।*

पवार नवजीवन के पास यह जिम्मा : आईएएस पवार को मल्हारगंज, हातोद और देपालपुर तहसील की मॉनीटरिंग का जिम्मा मिला है। इसके साथ ही वह निर्वाचन काम के साथ ही खाद्य शाखा, मिलावट आदि काम भी देखेंगे। किसान को खाद-बीज वितरण आदि व्यवस्थाएं भी उनके जिम्मे रहेंगी।

लिंक अधिकारी भी तय : वहीं साथ ही कलेक्टर ने लिंक अधिकारी भी तय कर दिए हैं। पंवार नवजीवन के नहीं होने पर रोशन राय काम देखेंगे। रिंकेश के नहीं होने पर निशा डामोर काम देखेंगी। निशा डामोर के नहीं होने पर पंवार काम देखेंगे और रोशन राय के नहीं होने पर रिंकेश वैश्य काम देखेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

रिंकेश वैश्य के पास यह जिम्मा

रिंकेश को कनाडिया, महू, भिचौली हप्सी और जूनी इंदौर तहसील का प्रभार रहेगा। वहीं सबसे अहम कॉलोनी सेल का जिम्मा, अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई जैसा सबसे अहम काम भी दिया गया है। इसके साथ ही परिवहन शाखा, नजूल शाखा, सीलिंग शाखा, रेडक्रास जैसे काम भी रहेंगे।

रोशन राय के पास यह रहेगा प्रभार

वहीं रोशन राय के पास राऊ, सांवेर व खुडैल तहसील का प्रभार होगा। शाखाओं में विवाह शाखा, हेल्पलाइन, विभागीय जांच, लोक सेवा गारंटी, सीएम हेल्पलाइन, प्रोटोकाल, प्रेस रजिस्ट्रीकरण, आर्म लाइसेंस व अन्य काम होंगे। साथ ही वह कृषि उपज मंडी के भारसाधक अधिकारी भी होंगे।

स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनियों का पाक कनेक्शन-उमंग सिंघार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनियों के खिलाफ नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक गंभीर खुलासा किया है। सिंघार ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगाने वाली अल्फानार कंपनी के कर्ताधर्ता पाकिस्तान सरकार के अधिकारियों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन कंपनियों के कर्ताधर्ताओं की पाकिस्तान सरकार के अफसरों के साथ तस्वीरें भी प्रस्तुत कीं। उनका कहना था कि ऐसे लोग, जो पाकिस्तान के नागरिक हैं, भारतीय नागरिकों के व्यक्तिगत और बैंक डेटा को पाकिस्तान तक पहुंचा सकते हैं, जिससे देश की सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

सिंघार ने आरोप लगाया कि अल्फानार कंपनी के तार पाकिस्तान से जुड़े हैं। पाकिस्तान से लोग इस कंपनी के लिए मैनपावर उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र सरकार ने इस कंपनी का रजिस्ट्रेशन क्यों नहीं किया। इसके बावजूद यह कंपनी मध्य प्रदेश में काम कर रही है। उनका कहना था कि इससे देश के 25 करोड़ नागरिकों का संवेदनशील डेटा पाकिस्तान भेजा जा रहा है, जो सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता है। नेता प्रतिपक्ष ने अडानी कंपनी पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि अडानी ने अल्फानार कंपनी के 50% शेयर खरीदे हैं, जो बड़ा भ्रष्टाचार हो सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अडानी पाकिस्तान से जुड़े लोगों को आगे बढ़ा रहे हैं और देश की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे हैं। उनका आरोप था कि भाजपा सरकार ने इस मुद्दे को नजरअंदाज किया है, जो भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का तरीका बन गया है।

एनडीए के मजबूत वाले इलाकों में पहले होगा मतदान

पटना (एजेंसी) • 6 नवंबर और 11 नवंबर, दो तारीखें, जब बिहार विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग होगी। बिहार में 40 साल बाद दो फेज में चुनाव हो रहे हैं। 6 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पहले फेज में 121 और दूसरे फेज में 122 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। सरकार किसकी बनेगी, ये 14 नवंबर को रिजल्ट आने के साथ साफ हो जाएगा।

आचार संहिता लगने से लेकर पहले फेज की वोटिंग तक ठीक एक महीने का वक्त है। पिछले तीन चुनाव देखें तो बिहार में मगध और शाहाबाद में पहले वोटिंग होती थी। यानी पहले फेज में दक्षिण बिहार की ज्यादातर सीटें होती थीं। इस बार पहले फेज में उत्तर बिहार के तिरहुत, मिथिलांचल और कोसी इलाके की सीटें शामिल हैं।

एनडीए जहां मजबूत, वहीं पहले वोटिंग-पहले फेज की 121 सीटों में से 70 सीटें तिरहुत और मिथिलांचल की हैं। इनमें से एनडीए के पास 39 सीटें हैं। मगध, अंग प्रदेश और शाहाबाद के ज्यादातर जिलों में दूसरे फेज में वोटिंग होगी। हालांकि अंग प्रदेश के मुंगेर, शाहाबाद के बक्सर, कोसी के सहरसा, मगध के नालंदा और शेखपुरा में पहले फेज में वोट डाले जाएंगे। यहां एनडीए अच्छी स्थिति में है।

बॉर्डर वाले जिलों में दूसरे फेज में एक साथ वोटिंग

बिहार के नक्शे पर देखें, तो सेंट्रल बिहार के जिले पहले फेज में रखे गए हैं। बॉर्डर वाले जिलों को दूसरे फेज में रखा गया है। बिहार के 8 जिले नेपाल से, तीन जिले पश्चिम बंगाल से और 8 जिले उत्तर प्रदेश से सटे हैं। यहां दूसरे फेज में एक साथ वोटिंग होगी। इससे पैरामिलिट्री फोर्सेज और इलेक्शन टीम को मूवमेंट में ज्यादा परेशानी नहीं होगी। वे आसानी से दूसरे फेज वाली सीटों पर पहुंच सकेंगे।

देर रात डॉक्टर के क्लिनिक पर हंगामा महिला के गलत इलाज से मौत का आरोप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • एक महिला के इलाज के बाद मौत से गुस्साए परिजन और संबंधियों ने सोमवार देर रात खातीवाला टैंक स्थित डॉक्टर के क्लिनिक पर हंगामा कर दिया। आरोप है कि गलत इलाज से महिला की मौत हुई है। उनका यह भी आरोप है कि डॉक्टर के जो डिग्री है, वह पाकिस्तान की है। मामला डॉ. ज्ञानचंद पंजवानी के क्लिनिक का है। रात को यहां लक्ष्मण खेड़े नामक व्यक्ति अपने नजदीकी लोगों के साथ पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। उनका कहना था कि उनके परिवार की महिला को डॉक्टर की बजाय कम्पाउंडर ने इंजेक्शन लगाया था। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत किया। जूनी इंदौर टीआई अनिल गुप्ता का कहना है कि इलाज का कोई पुराना मामला है। जिसे लेकर गुस्साए परिजन क्लीनिक पहुंचे हैं।

दो और कप सिरप पर प्रतिबंध, अब होगी कानूनी कार्रवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने सोमवार को पहले रिपोर्ट की गई कोल्ड्रिफ के अलावा दो और कफ सिरप को असुरक्षित घोषित कर दिया, क्योंकि कठोर प्रयोगशाला विश्लेषण में डायथिलीन ग्लाइकॉल - एक विषाक्त रसायन - के खतरनाक रूप से उच्च स्तर का पता चला था।

रीलाइफ और रेस्पिफ्रेश एफटीआर ब्रांड के तहत निर्मित इन सिरपों में क्रमश: 0.6161% और 1.342% डीईजी सांद्रता पाई गई, जो सुरक्षा सीमा से काफी अधिक है। आमतौर पर, डीईजी का कोई भी पता लगाने योग्य स्तर मौखिक दवाओं के लिए खतरनाक माना जाता है क्योंकि यह तीव्र विषाक्तता, गुर्दे की विफलता और मृत्यु का कारण बन सकता है।

एमपीएफडीए के पूर्व आयुक्त दिनेश कुमार मौर्य ने पुष्टि की कि दोनों दूषित कफ सिरप की बिक्री पर आधिकारिक रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। मौर्य को सोमवार शाम को उनके पद से मुक्त कर दिया गया। इनमें से एक निर्माता अहमदाबाद में स्थित है, जबकि दूसरा राजकोट से संचालित होता है। दोनों कंपनियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है और आगे की जांच के लिए सिरप के मौजूदा स्टॉक को वापस मंगाया जा रहा है। ये दवाएं छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ कफ सिरप से जुड़ी घटना में प्रभावित बच्चों को दी जाने वाली दवाओं में शामिल थीं। कारणों की जाँच और दवा सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए, अधिकारियों ने कोल्ड्रिफ सहित 13 विभिन्न दवाओं के नमूने एकत्र किए। मौर्य के अनुसार, इनमें से तीन सिरप अब

घटिया श्रेणी में पाए गए हैं। राज्य औषधि निरीक्षकों के अनुसार, दोनों सिरप में एंब्रॉक्सोल हाइड्रोक्लोराइड, गुआइफेनेसिन, टरबुटालाइन सल्फेट और मेन्थॉल जैसे सामान्य तत्व भी मौजूद थे, जो आमतौर पर खांसी और सर्दी के लक्षणों के इलाज में इस्तेमाल किए जाते हैं। हालाँकि, डीईजी संदूषण ही इन उत्पादों को बेहद खतरनाक बनाता है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि इनके सेवन से पेट दर्द, उल्टी, गुर्दे की क्षति और तंत्रिका संबंधी समस्याओं जैसे गंभीर लक्षण हो सकते हैं। दोनों उत्पादों को अब गैर-मानक गुणवत्ता के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसके कारण फार्मेसियों और अस्पतालों के औषधालयों में इन पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया गया है।

बैठक के दौरान ही जिम्मेदार अधिकारियों को पद से किया मुक्त

मध्य प्रदेश खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एमपीएफडीए) के वरिष्ठ अधिकारियों ने सोमवार शाम करीब 4 बजे राज्य सचिवालय में शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक समाप्त होते ही राहत की साँस ली। राहत की साँस लेते हुए, जब वे अपने सरकारी वाहनों से अपने कार्यालय वापस जा रहे थे, तो उन्हें इस बात का अंदाज़ा भी नहीं था कि उनके निलंबन आदेश तैयार किए जा रहे हैं। एक घंटे के भीतर, खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त दिनेश कुमार मौर्य, उप औषधि नियंत्रक शोभित कोष्टा और दो औषधि निरीक्षकों को आधिकारिक तौर पर उनके पदों से मुक्त कर दिया गया। तब तक, कोस्टा अपनी आधिकारिक कार में ईदगाह हिल्स स्थित एमपीएफडीए कार्यालय लौट आए थे, उनकी आगे की सीट पर रिपोर्ट्स का ढेर लगा था और पीछे एक लैपटॉप बैग रखा था। एक चटक आसमानी नीले रंग की कमीज़ पहने, वे लंबित केस फाइलों से घिरे अपने डेस्क पर बैठ गए। काली कमीज़ पहने इंस्पेक्टर, जो एफडीए की मानक वर्दी होती है- पास ही खड़े थे, और कर्मचारियों में थोड़ी राहत की लहर दौड़ गई कि शायद सबसे बुरा समय पीछे छूट गया है। कोस्टा ने हाल ही में प्रवर्तन एजेंसियों की जीत पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, कम से कम हमने दूसरे राज्यों के दो दवा निर्माताओं की पहचान की है जो घटिया उत्पाद बेच रहे हैं। यह एक बड़ी प्रगति है। एमपीएफडीए सक्रिय है और मध्य प्रदेश के बाहर विनिर्माण में खामियों को उजागर कर रहा है। तभी, उन्होंने एक जूनियर अधिकारी की ओर मुड़कर पूछा कि घटिया दवा निर्माताओं के खिलाफ कितने मामले अभी भी लंबित हैं।

न्यूज इन ब्रीफ

गांधी एवं शास्त्री के शास्त्री पर स्पेशल कवर एवं सिक्कों के संग्रह की पुस्तक का प्रदर्शन किया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में प्राचीन मुद्रा की विरासत के अनुसंधान व संरक्षण का महत्वपूर्ण कार्य करने सीनियर स्कॉलर की हर महीने के पहले रविवार को बैठक होती है। इसी क्रम में फिलेटलिक सोसाइटी एव इंदौर न्यूमिस्मेटिक्स सोसाइटी की यादगार सभा हुई। जिसमें महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के तहत उन्हें याद किया गया और श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा में फैशन डिजाइनर फिलेटेलिस्ट विदुषी जैन ने सभापति की भूमिका निभाई। चिराग त्रिवेदी द्वारा सभा प्रारंभ की घोषणा की गई। नील जैन द्वारा स्वागत संबोधन दिया गया। मुख्य संरक्षक वरिष्ठ मुद्रा संग्राहक गिरीश शर्मा आदित्य ने नुमिस्मेटिक्स विषय पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया गया। संस्था के रवीन्द्र नारायण पहलवान द्वारा फिलेटेलिक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सभा के दौरान आलोक खादीवाला द्वारा महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री पर स्पेशल कवर एवं प्रेजेंटेशन पैक एल्बम का प्रदर्शन किया। शिवम चतुर्वेदी ने भारतीय रियासतों के सिक्कों के संग्रह की पुस्तक का प्रदर्शन कर पुस्तक पर चर्चा की। सोसाइटी की मुख ई पत्रिका इंडफिल अक्टूबर-25 अंक की मुदित प्रति का लोकार्पण भी किया गया। सोसायटी के महेश रामचंदानी एवं राजेश शाह द्वारा संग्रहित अहिल्याबाई होल्कर 300वीं जयंती के सिक्के का प्रदर्शन किया गया। सुरेंद्र मुल्ये मेजर एम.के .गुप्ता ने भी सभा को संबोधित किया।

बड़वाली चौकी वक्फ कब्रिस्तान कमेटी में अकबर अहमद प्रबंधक नियुक्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड ने बड़वाली चौकी कब्रिस्तान प्रबंध व्यवस्था हेतु नियुक्ति की है। बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने भारत पदयात्री अकबर अहमद को बड़वाली चौकी वक्फ कब्रिस्तान कमेटी में प्रबंधक

नियुक्त किया है। भोपाल में चेयरमैन डॉ. सनवर पटेल ने यह नियुक्ति पत्र अहमद को सौंपा है। इस अवसर पर नवनियुक्त प्रबंधक अकबर अहमद ने मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड चेयरमैन डॉ. सनवर पटेल और इंदौर जिला वक्फ कमेटी के अध्यक्ष रेहान शेख का आभार माना। अहमद ने कहा जिस विश्वास के साथ चेयरमैन डॉ. सनवर पटेल ने प्रबंधक की ज़िम्मेदारी सौंपी है उस पर खरा उतरेंगे और वक्फ बोर्ड की मंशा के अनुरूप कार्य करेंगे। वर्तमान में बड़वाली चौकी कब्रिस्तान पर वक्फ की कोई प्रबंध कमेटी गठित नहीं है। जिस कारण वक्फ का कार्य सुचारू रूप से संचालित नहीं हो रहा था। लिहाजा स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए बोर्ड बैठक क्र. 25 आयटम नंबर 14 दिनांक 27.09.2025 में लिये गये निर्णय के पालन में वक्फ कब्रस्तान बड़वाली चौकी जिला इन्दौर की प्रबंध व्यवस्था हेतु नवीन प्रबंध कमेटी गठन होने अथवा आगामी आदेश तक के लिये अकबर अहमद को प्रबंधक नियुक्त की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी सौंपी है। उनकी नियुक्ति का आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

विश्व विख्यात नारायण रैकी सत्संग परिवार की प्रमुख राज दीदी का कार्यक्रम आज शाम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● विश्व विख्यात नारायण रैकी सत्संग परिवार की संस्थापक और अमेरिका सहित देश-विदेश के अनेक बड़े मंचों से जीवन को समृद्ध और संस्कारित बनाने के सूत्र देने वाली श्रीमती राजेश्वरी मोदी मंगलवार, 7 अक्टूबर को इंदौर आ रही हैं। वे यहां रवीन्द्र नाट्य गृह में शाम 7 बजे से आयोजित विशेष सत्संग सत्र में शहर के आमंत्रित श्रोताओं को जीवन को संवारने के महत्वपूर्ण सूत्र बताएंगी। अग्रवाल समाज इंदौर फाउंडेशन के तत्वावधान में होने वाले इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम के संयोजक किशोर गोयल, संजय बांकड़ा एवं सत्संग परिवार की इंदौर केन्द्र की धनश्री दीदी ने बताया कि राज दीदी के नाम से विश्वविख्यात श्रीमती मोदी मूलतः मुंबई की हैं और दुनिया के अनेक बड़े शहरों में लाखों लोगों को जीवन को समृद्ध और संस्कारित बनाने के सूत्र देकर उन्हें भटकाव से बचा चुकी हैं। वे इस बार फाउंडेशन के आमंत्रण पर 7 अक्टूबर को इंदौर आएंगी।

भिक्षुक की सूचना देने पर मिलेगा एक हजार का इनाम

देश के पहले भिक्षुक मुक्त इंदौर में फिर न हों भिक्षुक; हेल्पलाइन नंबर पर दें सूचना-कलेक्टर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर स्वच्छता में लगातार नंबर वन शहर बना हुआ है, अब देश का पहला भिक्षुक मुक्त शहर भी है। इस पहचान को बनाए रखने के लिए कलेक्टर ने भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान को और सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने तय किया है कि शहर में कहीं भी भिक्षावृत्ति होती है और कोई उसकी सटीक सूचना देता है, तो उसे 1000 रुपए का इनाम दिया जाएगा।

कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में हुई बैठक में भिक्षावृत्ति रोकने के लिए विस्तृत रणनीति बनाई गई। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि शहर में किसी भी स्थान पर पुनः भिक्षावृत्ति शुरू न हो, इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाए। कलेक्टर वर्मा ने कहा किइंदौर की स्वच्छता के साथ सामाजिक स्वच्छता भी हमारी प्राथमिकता है। भिक्षुक मुक्त इंदौर एक संवेदनशील और आत्मनिर्भर समाज की दिशा में बड़ा कदम है। भिक्षावृत्ति को रोकने के लिए रेस्क्यू करने वाली टीमें इस बात का विशेष ध्यान रखें कि जिन लोगों ने पूर्व में भिक्षावृत्ति छोड़ दी क्या वे पुनः इसी क्षेत्र में वापस आ रहे हैं। नशा करने वाले किशोर और युवा भिक्षावृत्ति के क्षेत्र में संलिप्त हैं। वे आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। ऐसे किशोर-युवाओं को सुधार गृह भेजकर उनकी काउंसलिंग कराई जाए। भिक्षावृत्ति रोकने के लिए गलियों, चौराहों पर नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से प्रचार किया जाए। इस काम में छात्र-छात्राओं एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के युवाओं को जोड़ा जाए।

बैठक में राजकीय बाल संरक्षण आश्रम के सुपरिटेंडेंट दिनेश मिश्रा ने बताया कि शहर में भिक्षावृत्ति रोकने के लिए जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग एक विशेष अभियान चलाया था। इसमें दल को विशेष सफलता मिली। दल ने पाया कि इंदौर में भिक्षावृत्ति करने वालों की संख्या 6500 से अधिक है। इसमें बच्चे, किशोर, युवाओं से लेकर वृद्धजन तक शामिल हैं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की भी है।

आजीविका से जोड़ने के लिए भी बनाएं योजना

कलेक्टर ने कहा कि ऐसी दो-तीन टीमें शहर में अलग-अलग स्थानों पर लगातार कार्रवाई करें, ताकि कहीं भी भिक्षावृत्ति नहीं हो। भिक्षा मांगना भी अपराध है और भिक्षा देना भी इसी श्रेणी में आता है, जो लोग भिक्षावृत्ति की सूचना देते हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि भिक्षावृत्ति करने वालों को रोकना ही नहीं, उन्हें आजीविका से जोड़ने के लिए भी योजनाएं बनाई जाए।

रेस्क्यू टीम का किया गठन

भिक्षुकों के पुनर्वास और सहायता के लिए भी जिला प्रशासन ने योजनाबद्ध कदम उठाए हैं। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, नगर निगम, होमगार्ड, श्रम विभाग, राजकीय बाल संरक्षण आश्रम और विशेष पुलिस किशोर इकाई के अधिकारियों-कर्मचारियों को शामिल करते हुए विशेष रेस्क्यू टीम बनाई जाएगी।

सार्वजनिक स्थान, मंदिर पर रखी जाएगी नजर

बड़ा गणपति, रेलवे स्टेशन, सत्य साई चौराहा, प्रमुख मठ-मंदिरों, आश्रमों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। इन स्थानों पर यदि किसी को भिक्षुक दिखाई दें तो कोई भी तत्काल तय हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दे सकता है। सूचना सही पाए जाने पर सूचना देने वाले को 1000 रुपए का इनाम दिया जाएगा।

धर्म में बढ़ता शिथिलाचार ख़त्म करने संतों का साथ मिले - हार्दिक हुंडिया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पूज्य सुधा सागरजी महाराज के सानिध्य में राजीव सैनानी के नेतृत्व में पत्रकारो का महा कुंभ का आयोजन। धर्म के नाम व्यापार और बढ़ता शिथिलाचार खत्म करने के लिए संतों का साथ चाहिए ये बात कहते हुवे हार्दिक हुंड़ियाने कहा की जब महाराजा वर्धमान कुमार सब कुछ त्याग करके भगवान महावीर बने थे तो उनके नाम से व्यापार क्यों ? धर्म के नाम व्यापार और बढ़ता शिथिलाचार की चिंता व्यक्त करते हुए ऑल इंडिया जैन जर्नालिस्ट एसोसियेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया ने मध्य प्रदेश के अशोक नगर में बिराजीत परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज से कहा कि धर्म के नाम जो गलत प्रवर्तीया बंद कराने आइजा परिवार को आपका साथ चाहिये। मुनि सुधा सागरजी ने कहा कि कलम के माध्यम से देश का भाग्य लिख सकते है। मध्य प्रदेश , गुजरात , महाराष्ट्र , उत्तर प्रदेश से आए बड़ी संख्या में पत्रकारो के महाकुंभ में हाजरी दी थी सब को एक होने का समय आ गया है। हार्दिक हुंडिया ने कहा मैं श्वेतांबर हूं , मैं तेरा पंथी हूं , मैं दिगम्बर हूं , मैं स्थानक वासी हूं लेकिन हमे यह संप्रदाय वाद भूल कर हम सब जैन है ये नहीं भूलना चाहिये । हम हमारे पंथ के मुताबिक़ भले चले, लेकिन जब प्रभु महावीर के धर्म की बात आती है तब हम सब भगवान महावीर के अनुयाई बने।आईजा की तरफ़ से पूज्य सुधा सागर जी महाराज को गाजे बाजे के साथ राष्ट्रीय संत की पदवी दी गई। हार्दिक हुंडिया ने कहा की संतों का उपकार का बदला हम कभी नहीं चूका पाएंगे।

राज्य सूचना आयुक्त के शिविर में प्रस्तुत हुए 55 प्रकरण, 44 अपीलार्थी हुए उपस्थित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. उमाशंकर पचौरी ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय इंदौर में सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत शिविर आयोजित किया। शिविर में कुल 55 प्रकरणों पर विचार किया गया। शिविर में 44 प्रकरणों के आवेदक भी उपस्थित हुए। इन सभी आवेदकों के समक्ष अपीलों का निराकरण किया गया।

राज्य सूचना आयुक्त ने शिविर के साथ ही जिले के लोक सूचना अधिकारियों व प्रथम अपीलीय अधिकारी की बैठक भी की। जिले के विभिन्न विभागों के लोक सूचना अधिकारियों के साथ सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की। बैठक में डॉ.पचौरी ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने में लोक सूचना अधिकारियों का महत्वपूर्ण स्थान है। सूचना का अधिकार आम नागरिकों के लिए जवाबदेही और पारदर्शिता की महत्वपूर्ण कड़ी है। नागरिकों को समय पर, सटीक और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराना सभी लोक सूचना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

डॉ. पचौरी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर सूचना में विलंब या अपूर्ण जानकारी देना अधिनियम की भावना के विपरीत है। उन्होंने सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि आमजन को समय पर और पारदर्शी तरीके से सूचना उपलब्ध कराना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सूचना तक जाना हर व्यक्ति का अधिकार है। बिना पढ़े-लिखे आम आदमी को भी आसानी से जानकारी मिले , यही सूचना के अधिकार अधिनियम का उद्देश्य है। राज्य सूचना आयुक्त ने अधिकारियों को नागरिकों की शिकायतों और आवेदनों के प्रति उत्तरदायी बने रहने पर बल दिया।

टेकचंदजी महाराज का समाधि उत्सव धूमधाम से मना

निलेश चौहान (94250-77209)
दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● दामोदर वंशीय जुना गुजराती दर्जी समाज के आराध्य देव श्री श्री 1008 श्री टेकचंद महाराज का 214 वा समाधि उत्सव बड़े ही भक्ति भाव उल्लास के साथ धुमधाम से बनाया गया कार्यक्रम समाज के दामोदर भवन धर्मशाला में आयोजित किया गया। सर्व प्रथम गुरुदेव टेकचंद महाराज की प्रतिमा का समाज के युवाओं ने अभिषेक किया, तत्पश्चात प्रतिमा सुसुजि पालकी में विराजमान कर शोभा यात्रा दामोदर भवन से बैंड बाजा ढोल ढमाके के साथ प्रारंभ हुई, जो नगर के देवी मंदिर बडचौक तिलक मार्ग बस स्टैंड इंदौर नाका चमन चौराहा बेटमा रोड छः बत्ती चौराहा नई पानी टंकी लौहार पट्टी होते हुए। दामोदर भवन भराव सेरी पहुंची यात्रा में समाजजन महिला पुरुष बच्चे के साथ नगर के गणमान्य नागरिक एवं समाजन शामिल हुए यात्रा का जगह जगह भव्य स्वागत किया गया यात्रा समापन पश्चात स्टेज पर फूलों से सज धज कर प्रतिमा को विराजमान कर नवयुवक मंडल द्वारा गुरुदेव को 56 भोग लगाया गया एवं महाआरती की गई व गरबा नृत्य करने वाली बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया कार्यक्रम के पश्चात महाप्रसादी भी ग्रहण की गई। बेगंदा वाले ट्रस्टी महेश चौहान की ओर से विषेश स्वागत सम्मान किया गया साथ ही गुरु महाराज की आरती परिवार द्वारा की गई। इस अवसर पर सोहनलाल परमार राजेश परिहार रामेश्वर नकुम ने बताया की हर वर्ष कडछा धाम में शरद पूर्णिमा पर गुरुदेव महाराज का समाधि उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है इस लिए नगर की समाज एक दिन पूर्व इस आयोजन को पिछले 31 वर्षों से निरन्तर किया जा रहा है कार्यक्रम का संचालन रमेश चंद्र सोलंकी ने किया आभार नितिन गोयल ने माना ।

तंतुवाय वैश्य कोरी समाज इन्दौर का दशहरा मिलन समारोह सम्पन्न

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● तंतुवाय वैश्य कोरी समाज इन्दौर,का सामाजिक मिलन समारोह का आयोजन दशहरे के पर्व पर माता मंदिर सेठी नगर धर्मशाला भमोरी में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर तंतुवाय वैश्य कोरी समाज काछी मोहल्ला के अध्यक्ष रामचंद्र वर्मा का तीन वर्ष के सफलतम कार्यकाल के पूर्ण होने पर अध्यक्ष रामचंद्र वर्मा द्वारा अपनी खुशी से अध्यक्ष पद से मुक्त होने का प्रस्ताव यह कह कर की अब अगला अध्यक्ष कोई युवा को होना चाहिए। अध्यक्ष रामचंद्र वर्मा द्वारा कहें गए उक्त विचार पर सभी समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारीयों ने अध्यक्ष रामचंद्र वर्मा से कहा की आप ही अपनी तरफ से अपने प्रतिनिधि के नाम सुझाव देवे, इस पर रामचंद्र वर्मा ने युवा समाज सेवी और वर्तमान कोषाध्यक्ष रवि वर्मा के नाम का अपने प्रतिनिधि के लिए सुझाव दिया।

मुफ्त बिजली योजना संबंधी शिविर लगाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर शहर के पूर्व संभाग अंतर्गत महालक्ष्मी नगर के महादेव मंदिर में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना संबंधी शिविर लगाया गया। सत्यसांई जोन प्रभारी श्री केपी सिंह, श्री एमएस बिष्ट ने रहवासियों को सौर ऊर्जा के फायदे बताए। स्वयं के उपयोग की बिजली खुद की छत पर तैयार करने, बिल में 90 प्रतिशत तक कमी लाने एवं पर्यावरण हित में सक्रिया भूमिका निभाने का आह्वान किया।

परशुराम सेना ने शरद पूर्णिमा पर की मां जगदम्बा की आराधना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● श्री परशुराम सेना पूर्वी क्षेत्र इकाई के अध्यक्ष राजेश तिवारी द्वारा बताया गया कि परशुराम गार्डन संचार नगर एक्सटेंशन में शरद पूर्णिमा के उपलक्ष में एक दिन का गरबा एवं सभी भक्तों के लिए खीर वितरण के साथ भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी संगठन द्वारा की गई श्रीमती शिखा तिवारी ने बताया कि शाम को बेस्ट ड्रेस बेस्ट कपल और बेस्ट गरबे का इनाम भी श्रीमती प्रवीणा अग्निहोत्री और श्रीमती जया तिवारी द्वारा दिया गया है उपरोक्त अवसर पर परशुराम सेना के प्रकाश शर्मा पप्पी दीपक शर्मा, हेमेंद्र पाठक ने बताया कि समाज के होने वाले इस भव्य शरद पूर्णिमा की और मां जगदम्बा का आशीर्वाद लेने के लिए क्षेत्र विधायक ,क्षेत्रीय पार्षद और ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ जन मौजूद रहें।

देअविवि में 'झेन जी' जैसा आंदोलन करने वाले दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग को लेकर किया कुलपति का घेराव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कांग्रेस नेता विवेक खंडेलवाल, गिरीश जोशी के नेतृत्व में देवी अहिल्या विश्व विद्यालय के कुलगुरु राकेश सिंघाई का घेराव किया देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के आई ई टी विभाग मै एबीवीपी के छात्र नेताओं द्वारा नेपाल की तर्ज पर झेन जी की तरह आंदोलन करने के लिए प्रथम वर्ष के छात्रों को उकसाया गया फर्जी ट्विटर एकाउंट बनवाए गए विश्व विद्यालय की एंटी रैगिंग कमेटी द्वारा की गई जांच मै साफ शब्दों मै लिखा है कि झेन जी जैसा आंदोलन करने वाले कौन कौन छात्र है,ओर किस संगठन से जुड़े है,मगर कुलगुरु द्वारा उन छात्रों को बचाने के लिए पूरा जोर लगा दिया ओर केवल 4 छात्रों पर कार्यवाही करवाई गई,इसी मुद्दे को लेकर आज कुलगुरु का घेराव किया गया कुल गुरु से कांग्रेस नेताओं की तीखी बहस हुई कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आप कल चले जाएंगे कही से भाजपा से चुनाव लड़ लेंगे मगर इस तरह से विश्व विद्यालय का नाम आप बदनाम ना करे आप भाजपा के कुल गुरु नहीं है आप लाखों छात्रों के अभिभावक है,तत्काल दोषी छात्रों पर कार्यवाही सुनिश्चित करे अन्यथा कांग्रेस द्वारा उग्र आंदोलन किया जायेगा घेराव मै मुख्य रूप से योगित गुप्ता,तेज प्रकाश राणे, शैली सेन, राकेश यादव, रमेश घाटे, रानू मलेरिया, गजेंद्र वर्मा, अनिल गुलवे, उपस्थित थे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 07 अक्टूबर 2025

जेल में बंद कादरी को निगम परिषद सम्मेलन में उपस्थित होने का भिजवाया नोटिस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • कांग्रेस के पार्षद अनवर कादरी को पिछले दिनों महापौर परिषद से निष्कासित करने का निर्णय लिया गया था और अब 9 अक्टूबर को निगम परिषद का जो सम्मेलन आयोजित किया गया है उसमें कादरी को उपस्थित होने या लिखित में जवाब प्रस्तुत करने का नोटिस सचिव द्वारा भिजवाया गया है। हालांकि अनवर कादरी फिलहाल जेल में बंद है, इसलिए व्यक्तिगत उपस्थिति तो संभव नहीं होगी, अलबत्ता वह अपने वकील के माध्यम से जवाब प्रस्तुत करेगा।

कांग्रेस पार्षद कादरी पर लव जिहाद के साथ कई गंभीर आरोप लगे और 40 हजार का पुलिस ने इनाम भी घोषित किया था। उसके बाद जिला कोर्ट में कादरी सरेंडर हुआ और उसे जेल भिजवा दिया गया। संभागायुक्त द्वारा भी अनवर कादरी का पार्षद पद खत्म करने की प्रक्रिया शुरू की गई तो दूसरी तरफ महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पिछले दिनों महापौर परिषद की बैठक में कादरी को निष्कासित

करने का प्रस्ताव रखवाया और उसे मंजूर भी किया। नगर निगम अधिनियम 1956 की धारा 19 (2) के तहत अब निगम परिषद के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए पार्षद अनवर कादरी वार्ड क्रमांक 58 को निगम सचिव राजेंद्र गरोठिया ने नोटिस जारी किया और उसके मकान पर चस्पा भी करवा दिया, जिसमें 9 अक्टूबर को 11 बजे से नगर निगम के परिषद हॉल अटल सदन में जो निगम सम्मेलन आयोजित किया है उसमें लिए गए निष्कासन के निर्णय के तहत कादरी अपना पक्ष रख सकता है। नोटिस के साथ महापौर परिषद के संकल्प क्रमांक 129 दिनांक 05.08.2025 के साथ सम्मेलन की कार्यसूची भी संलग्न की गई, जिसमें विषय क्रमांक 67 कादरी के निष्कासन से ही संबंधित है। निगम के इस सम्मेलन में कई प्रस्ताव मंजूरी के लिए रखे हैं और कांग्रेस पार्षद दल कई मुद्दों पर हंगामा भी मचाएगा, जिसमें संभव है कादरी का मामला भी शामिल रहे।

न्यूज इन ब्रीफ

गोयल पारमार्थिक ट्रस्ट की मेजबानी में शुक्रवार को 71 महिलाओं के करवाचौथ व्रत का उद्यापन

इंदौर • गोयल पारमार्थिक न्यास की मेजबानी में राजीव गांधी चौराहा स्थित होटल सोलारिस (शुभकारज के पास) पर समाज की 71 महिलाओं के करवा चौथ व्रत का उद्यापन शुक्रवार, 10 अक्टूबर को शाम 7 बजे से धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की दिव्यता को देखते हुए विभिन्न समितियों का गठन भी किया गया है। ट्रस्ट की ओर से श्रीमती कनकलता-प्रेमचंद गोयल, श्रीमती कृष्णा-विजय गोयल एवं सोनल-अजय आलूवाले ने बताया कि महोत्सव में प्रत्येक व्रतधारी महिला के साथ उनके पति, परिजन एवं अन्य मेहमानों को भी आमंत्रित किया गया है। व्रतधारी 71 महिलाओं के रिश्तेदारों सहित मेहमानों के आगमन के कारण करीब 3 हजार समाजबंधु इस उत्सव में शामिल होंगे।

बिजासन रोड अखंड धाम पर आज रात औषधियुक्त खीर का वितरण

इंदौर • बिजासन रोड स्थित अविनाशी अखंड धाम आश्रम पर शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में मंगलवार, 7 अक्टूबर को आश्रम के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरूप महाराज के सानिध्य में श्वांस एवं दमा मरीजों के लिए निशुल्क औषधि युक्त खीर प्रसाद का वितरण रात्रि 11 बजे से 12.30 बजे तक किया जाएगा। आश्रम प्रबंध समिति के अध्यक्ष हरि अग्रवाल ने बताया कि पिछले कई वर्षों की परंपरा के अनुरूप इस बार भी महामंडलेश्वरजी के मार्गदर्शन में तैयार आयुर्वेद पद्धति से निर्मित औषधि एवं खीर प्रसाद का निशुल्क वितरण किया जाएगा। श्वांस एवं दमा के मरीज इस सेवा का निशुल्क लाभ ले सकेंगे।

जैनाचार्य प.पू. विश्वरत्न सागर म.सा. आज से 16 दिनी सूरी मंत्र साधना पर

इंदौर • भगवान महावीर स्वामी द्वारा स्थापित सूरी मंत्र आराधना की परंपरा का निर्वाह करते हुए मालवा भूषण, तप सम्राट, ब्रह्मलीन नवरत्न सागर म.सा. की पाट परंपरा के अनुरूप चातुर्मास के लिए पीपली बाजार जैन मंदिर इंदौर में विराजित जैनाचार्य प.पू. विश्वरत्न सागर म.सा. सोमवार, 6 अक्टूबर से 16 दिवसीय साधना के पथ पर अग्रसर हो गए हैं। वे आज से विधि-विधान के साथ इस दौरान 16 दिवसीय मौन साधना के साथ ही प्रतिदिन 18-18 घंटे तक विभिन्न मंत्रोच्चार के माध्यम से गुरू गौतम स्वामी, त्रिभुवन स्वामिनी, मणिभद्रवीर घंटाकर्ण महावीर, लक्ष्मीजी, सरस्वतीजी सहित विभिन्न देवी-देवताओं की साधना से सुरी पट्ट पर सिद्धि मंत्र की आराधना करेंगे।

अपनी पहचान बनाने के लिए महिलाएं स्वयं को सशक्त बनाएं, तभी मजबूत राष्ट्र का निर्माण होगा- अपरा मेहता

इंदौर • हम देश की 50 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाएं हैं। परिवार, समाज और राष्ट्र को आगे बढ़ाने में हमारी भूमिका कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि हम अपने घर-बार के साथ-साथ समाज और राष्ट्र की समृद्धि में भी भागीदार बनती हैं। इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर है और यहां आकर देखा कि महिलाएं सेवा के प्रत्येक क्षेत्र में आगे हैं। इतने काम करने वाली इतनी संस्थाएं यदि आपके इस इंदौर शहर में है तो इससे बेहतर और कोई बात नहीं हो सकती। महिलाओं को अपनी पहचान बनाने के लिए स्वयं को सशक्त बनाना होगा। सब मिलकर ही एक मजबूत और विकसित राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। प्रख्यात फिल्म और टीवी अभिनेत्री अपरा मेहता ने महिला प्रकोष्ठ अग्रवाल समाज की मेजबानी में स्नेह नगर स्थित अग्रसेन भवन पर आयोजित दो दिवसीय एम.पी. वूमन फेस्टिवल एवं दीपावली हाट बाजार के आयोजन में शहर एवं आसपास की 57 महिला संस्थाओं की पदाधिकारियों को सुगंधा शक्ति अवार्ड से सम्मानित करते हुए समापन प्रसंग पर उक्त विचार रखे।

गाजियाबाद के उच्च स्तरीय दल ने देखी इंदौर की स्मार्ट मीटरिंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर परियोजना का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। भारत सरकार ऊर्जा मंत्रालय के निर्देश पर सोमवार को नेशनल पावर ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट गाजियाबाद के उच्च स्तरीय दल ने इंदौर का दौरान कर पश्चिम क्षेत्र में संचालित स्मार्ट मीटरिंग परियोजना का संचालन देखा। दल ने पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह से भी भेंट की। एनपीटीआई गाजियाबाद के चार सदस्यी दल के नेतृत्व उप निदेशक श्री महेंद्र कुमार ने किया। दल स्मार्ट मीटर पोलोग्राउंड इंदौर स्थित मास्टर कंट्रोल सेंटर पहुंचा। यहां स्मार्ट मीटर की परियोजना के तहद

इंदौर में पहले स्मार्ट मीटर से लेकर वर्तमान स्थिति में तेरह लाख पांच हजार स्मार्ट मीटरों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। विशेष रूप से विद्युत सेवा, विद्युत खपत , अधिकतम खपत इत्यादि के संबंध में डाटा विश्लेषण प्रक्रिया के तौर तरीकों पर अध्ययन किया गया। विद्युत सेवा में स्मार्ट मीटर टीम, बिल जनरेशन टीम, सूचना प्रौद्योगिकी टीम इत्यादि के संयुक्त प्रयासों की जानकारी ली गई। मीटरों का म्यूजियम भी देखा गया। दल को परियोजना निदेशक श्री संजय जैन, अधीक्षण यंत्री श्रीमती कीर्ति सिंह, कंट्रोल सेंटर प्रभारी श्री नवीन गुप्ता ने प्रमुख रूप से जानकारी दी। गाजियाबाद के दल के प्रश्नों का इंदौर के अभियंताओं ने तत्परता से उत्तर दिया व उनकी स्मार्ट मीटरों के संबंध में जिज्ञासाओं का समाधान किया।

महालक्ष्मीजी की आरती एवं स्पर्धा के साथ हुआ वूमन फेस्टिवल का रंगारंग समापन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • महिला प्रकोष्ठ अग्रवाल समाज की मेजबानी में स्नेह नगर स्थित अग्रसेन भवन पर आयोजित दो दिवसीय एम.पी. वूमन फेस्टिवल एवं दीपावली हाट बाजार का रंगारंग समापन रविवार रात्रि को दूर-दराज से आई महिला उद्यमियों एवं अन्य कलाकारों को विदाई के साथ हुआ। इसके पूर्व नन्हें-मुन्ने बच्चों ने विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लेकर पुरस्कार भी जाते और अपने हुनर का प्रदर्शन भी किया। बिदाई की बेला में महिला उद्यमियों के चेहरों पर संतुष्टि और प्रसन्नता के भाव तो थे ही, अनेक आखें भी सजल हो उठी। प्रकोष्ठ की प्रमुख प्रतिभा मित्तल ने बताया कि इस अवसर पर गोयल पारमार्थिक ट्रस्ट के प्रमुख समाजसेवी प्रेमचंद गोयल, पी.डी. अग्रवाल कांट्रेक्टर, हितेश बिंदल, विधायक गोलू शुक्ला, बी.आर. गोयल, देवेन्द्र बंसल तथा जे.के. टायर के वाइस प्रेसीडेंट संजीव शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित थे, जिन्होंने महिला उद्यमियों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया और स्वयं खरीदारी भी की। इसके पूर्व नन्हीं परी स्पर्धा में जान्हवी हिरवे, दिव्या यादव एवं याशिका बुंदेला तथा फेंसी ड्रेस स्पर्धा में रूही बिस्कुटे, प्रज्ञांश यादव और आर्या मोदी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेता के पुरस्कार हासिल किए। विजेताओं को अंजलि, तिलोत्तमा, मीना, स्नेहा, उषा बंसल आदि ने पुरस्कृत किया।

कफ सिरप के बाद प्रशासन अलर्ट , प्रतिबंधित कप सिरप किसी डॉक्टर ने लिखी तो भेजेंगे जेल : कलेक्टर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • कलेक्टर शिवम वर्मा ने जहरीले कफ सिरप के मामले में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित ड्रग्स वाली कप सिरप अगर किसी डॉक्टर ने लिखी तो एफआईआर दर्ज कर सीधे जेल भेजें देंगे। उन्होंने सीएमएचओ, फूड एंड ड्रग डिपार्टमेंट को सख्त निर्देश दिए हैं कि दवा बाजार, मेडिकल स्टोर व शिशु रोग विशेषज्ञ अस्पतालों पर नजर रखे। अगर कहीं कोई हुई चूक तो सख्त कार्रवाई करें। कलेक्टर ने यह भी बताया कि जिस जहरीले कफ सिरप के कारण छिंदवाड़ा में बच्चों की जान गई वो इंदौर में सप्लाई नहीं हुई थी।

बिक्री करने वालों पर रखी जा रही नजर

कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि जिले में अभियान चलाकर इस कफ सिरप की जांच की जा रही है। साथ ही सभी ड्रग कंट्रोलर को फील्ड में रहकर विशेष निगरानी के भी निर्देश दिए हैं। कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। ऐसे में अगर कोई डॉक्टर इसे लिखता है या केमिस्ट इसकी बिक्री करता पाया जाएगा तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल प्रतिबंधित कफ सिरप की बिक्री को रोकने के लिए प्रशासन के द्वारा विशेष टीम का भी गठन किया गया है।

मंगलवार से चेकिंग अभियान

मंगलवार से, प्रशासन शहर भर में मेडिकल स्टोर और डिपो से सभी प्रकार के कफ सिरप के नमूने एकत्र करने का अभियान शुरू करेगा। इन नमूनों को प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजा जाएगा। यदि किसी भी सिरप में प्रतिबंधित या हानिकारक पदार्थ पाए जाते हैं, तो निर्माता, विक्रेता और दवा लिखने वाले डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैंगलुरू में होने वाले नेशनल पिकलबॉल टूर्नामेंट के लिए म.प्र. के 24 खिलाड़ियों का इंदौर में हुआ चयन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • म.प्र. पिकलबॉल एसो. की मेजबानी में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के तत्वावधान में बैंगलुरू में 13 से 16 नवम्बर 2025 तक आयोजित किए जा रहे नेशनल पिकलबॉल टूर्नामेंट के लिए पीपल्याहाना स्थित साफ्ट सर्व कोर्ट पर खेले गए टूर्नामेंट में विभिन्न आयु वर्ग के 24 खिलाड़ियों ने शानदार और रोमांचक प्रदर्शन करते हुए फायनल में प्रवेश किया। विजेताओं को विधायक रमेश मेंदोला के मुख्य आतिथ्य एवं मालवा काउंटी के डायरेक्टर तथा लायंस के गेट वाईस एरिया लीडर ला. कुलभूषण मित्तल कुक्की के विशेष आतिथ्य में पुरस्कृत किया गया। ये सभी खिलाड़ी इंदौर सहित राज्य के विभिन्न जिलों से आए थे। टूर्नामेंट डायरेक्टर केशव पाटीदार ने बताया कि दो दिनों तक चले मुकाबलों में अंडर-14 वर्ष के बालकों में सिद्धार्थ निखारिया विजेता, पंथ सिंघाई उपविजेता, बालिक-14 वर्ष आयु में तन्विका सिंह भदौरिया विजेता, आरना गौड़ उपविजेता, अंडर-16 बालक वर्ग में सिद्धार्थ निखारिया विजेता, विहान सिंह उपविजेता, अंडर-16 बालिका वर्ग में आशरिया सिंह विजेता, एवं देवांशी खंडेलवाल उपविजेता, अंडर-18 बालक वर्ग में कुशल सिरसिया विजेता एवं विहानसिंह उपविजेता घोषित किए गए। इसी तरह ओपन पुरुष एकल स्पर्धा में उत्कर्ष दुबे विजेता एवं सूर्यांश यादव उपविजेता रहे। तीस वर्ष से अधिक आयु के एकल पुरुष मुकाबलों में माधव पाटीदारी विजेता एवं सौरभ विश्वास उपविजेता रहे। युगल वर्ग में केशव पाटीदार एवं अजहर खान विजेता, माधव पाटीदार एवं पृथ्वीराज चौधरी उपविजेता रहे। 40 वर्ष से अधिक आयु के एकल पुरुष मुकाबलों में हेमंत जगधने विजेता एवं संजय साहू उपविजेता तथा युगल वर्ग में नरेश मित्तल एवं संजय साहू विजेता तथा विशाल जोशी एवं मनोज कुमार भार्गव उपविजेता रहे।

सोयाबीन भावांतर के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद देंगे इंदौर जिले के अन्नदाता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

- धन्यवाद ट्रैक्टर रैली आज, दशहरा मैदान पर जुटेंगे हजारों किसान
- ट्रैक्टर रैली का स्वागत करेंगे भाजपा नेता

इंदौर • भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा और किसान मोर्चा प्रदेश मंत्री रवि रावलिया ने बताया कि संवेदनशील मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव द्वारा भावांतर योजना के अंतर्गत सोयाबीन की भावांतर राशि किसानों को देने की घोषणा के समर्थन में इंदौर जिला किसान संगठन द्वारा आज 07 अक्तूबर को निकाली जा रही धन्यवाद ट्रैक्टर रैली का सुबह 11 बजे दशहरा मैदान पर भाजपा नेता स्वागत करेंगे।

सोमवार को सात डिपो का निरीक्षण किया ड्रग इंस्पेक्टरों

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • सीएमएचओ डॉ. माधव हासानी ने कहा कि हमने ड्रग इंस्पेक्टरों को निर्देश दिया है कि वे फील्ड में रहें और सभी दवाओं का निरंतर निरीक्षण करें। किसी भी असामान्य घटना या घटना की सूचना तुरंत दें। हमने अस्पतालों को भी निर्देश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि उनके डॉक्टर मरीजों को दवाइयाँ लिखते समय नियमों का पालन करें और किसी भी मरीज को किसी विशेष दुकान से दवाएं खरीदने के लिए मजबूर न किया जाए।

जन स्वास्थ्य अभियान इंडिया (जेएसएआई) ने भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को पत्र लिखकर देश भर में कफ सिरप के निर्माण, बिक्री और विपणन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। जेएसएआई ने राजस्थान (भरतपुर, सीकर) और मध्य प्रदेश (छिंदवाड़ा, बैतूल) में कथित तौर पर दूषित कफ सिरप के कारण बच्चों की हाल ही में हुई मौतों पर चिंता व्यक्त की है।

पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल पहुंचे किसानो के बीच

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • भूमि अधिग्रहण के विरोध में किसानों का अनशन तेरहवें दिन भी जारी रहा। किसानों के स्वास्थ्य में लगातार गिरावट है, पर इनका हौसला बुलंद है और मैदान में जमे हुए हैं।उधर, इनको समर्थन देने एवं सहयोग करने के लिए अनशन स्थल पर अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं इंदौर के पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल पहुंचे और आश्वस्त किया कि जब तक किसानों को न्याय नहीं मिल जाता, उनके साथ लड़ाई लड़ेंगे। किसान नेता हंसराज मंडलोई ने बताया कि केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के संसदीय क्षेत्र अंतर्गत देवास जिले की कन्नौद तहसील के ग्राम कलवार में इंदौर-बुधनी रेल लाइन परियोजना में उपजाऊ भूमि अधिग्रहण के विरोध में यह आंदोलन किया जा रहा है।

रेल लाइन का अलाइनमेंट बदलने अर्थात् पूर्व सर्वे जिसमें पठारी, पड़ती, बंजर, जंगल के समीप कम उपजाऊ भूमि का उपयोग किया गया थ, वहां से रूट ले जाने सहित अन्य मांगों को लेकर किसानों का अनशन

तेरहवें दिन भी जारी रहा। इस अनशन में खातेगांव और बागली विधानसभा तथा विदिशा एवं खंडवा लोकसभा के किसान संयुक्त रूप से बैठे हैं। तेरहवें दिन अनशन करने वाले किसान रवि मीणा, मुंशी पठान और संतोष छानवाल रहे। शाजापुर देवास से पूर्व लोकसभा चुनाव प्रत्याशी राजेंद्र मालवीय ने कहा कि वर्तमान सरकार किसानों को दुख देने वाली सरकार है। जिस प्रकार किसान दर्द और तकलीफ से गुजर रहे हैं, वह यह बताता है कि यह सिर्फ किसानों को लूटने के लिए बैठे हैं।

स्थितियों के सुधार हेतु किये जा रहे प्रयासो में सभी संगठन सरकार के साथ

भोपाल (एजेंसी) • राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राज्य कार्यालय में आहुत बैठक में वर्तमान परिस्थियों के परिपेक्ष्य में शिशुओ व बच्चों को चिकित्सको द्वारा लिखे जा रहे तथा बाजार में उपलब्ध विभिन्न औषधियों विशेषकर संयोजन औषधियों (काम्बिनेशन मेडिसिन्स) के उपयोग में बरती जाने वाली सावधानियो तथा इस हेतु केंद्र व राज्य सरकार तथा विभिन्न चिकित्सा संगठनो यथा इंडियन एकेडेमी आफ पीडियाट्रिक्स तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा जारी दिशा निर्देशो के पालन के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। चर्चा प्रारंभ करते हुये उपस्थित अधिकारियो तथा शिशु रोग विशेषज्ञो ने विगत समय में प्रदेश में हुई बच्चो की दुखद मृत्यु पर दुख व्यक्त किया।

सम्पादकीय

जीवनदायिनी मानी जाती है दवा इस समय बनी हुई है मौत की वजह

अगर बाद में उस दवा के निर्माण में गुणवत्ता मानकों को दरकिनार किया जाता है और उसके सेवन से किसी की जान चली जाती है, तो उसके लिए जिम्मेदार कौन होगा? किसी बीमारी में दवा जीवनदायिनी हो सकती है। ऐसे में मरीज की जान बचाने के लिए उसके परिजन दवा का बंदोबस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। मगर जब कोई दवा ही मौत का कारण बन जाए, तो इसे लापरवाही या जान से खिलवाड़ नहीं तो और क्या कहा जाएगा! मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी ऐसा ही हुआ है, जहां खांसी की दवा से कई बच्चों की मौत के मामले सामने आए हैं। शासन-प्रशासन की ओर से इन मामलों की गहन जांच कराने का आश्वासन दिया गया है। इसके अलावा, एक चिकित्सक को गिरफ्तार और कुछ अन्य अधिकारियों को निलंबित किया गया है। साथ ही इस दवा की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और संबंधित कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सवाल यह है कि ऐसी कार्रवाई के लिए अक्सर किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों किया जाता है? दवाओं की गुणवत्ता जांच नियमित तौर पर क्यों नहीं की जाती और जो दवाएं बच्चों के लिए प्रतिबंधित हैं, वे बाजार में बिना रोक-टोक कैसे बिक रही हैं? यह कोई पहली बार नहीं है कि देश में किसी दवा की वजह से कई जानें चली गईं। इससे पूर्व भी इस तरह के मामले सामने आते रहे हैं। विडंबना यह है कि न तो सरकार एवं प्रशासन और न ही स्वास्थ्य संस्थानों एवं वहां कार्यरत अधिकारियों के स्तर पर ऐसी घटनाओं से कोई सबक लिया जाता है। मध्य प्रदेश में जिस चिकित्सक को गिरफ्तार किया गया है, उस पर आरोप है कि वह सरकारी सेवा में होने के बावजूद एक निजी क्लिनिक में भी अपनी सेवाएं दे रहा था और बच्चों के लिए इस दवा के इस्तेमाल का परामर्श देता था। सवाल है कि आरोपी चिकित्सक के सरकारी सेवा के साथ निजी क्लीनिक में काम करने पर स्वास्थ्य विभाग ने अब तक कोई संज्ञान क्यों नहीं लिया? दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है किस दवा के विभिन्न आयु-वर्ग के मरीज पर क्या प्रभाव पड़ सकते हैं, इसकी जानकारी क्या चिकित्सकों को नहीं दी जाती है? या फिर चिकित्सक और दवा कंपनियों के बीच सांठगांठ से इस तरह का गोरखधंधा फल-फूल रहा है? सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार ने तमिलनाडु सरकार को पत्र लिखकर वहां स्थित संबंधित दवा निर्माता कंपनी के खिलाफ जांच करने का आग्रह किया था। इसके बाद तमिलनाडु के औषधि नियंत्रक विभाग ने अपनी जांच में इस दवा के निर्माण में मिलावट होने की पुष्टि की थी। जांच रपट में कहा गया कि इसमें 48.6 फीसद 'डायथिलीन ग्लाइकाल' पाया गया, जो जहरीला रसायन है और सेहत के लिए घातक साबित हो सकता है।

तालिबान के विदेश मंत्री का भारत दौरा एक नए अध्याय के शुरुवात

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के तकरीबन 4 साल बाद, अब भारत और तालिबान के बीच औपचारिक संवाद का नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी आगामी 9 अक्टूबर को पहली बार भारत का दौरा करने आ रहे हैं। यह दौरा केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि दक्षिण एशिया की जियो-पॉलिटिकल तस्वीर में एक बड़े बदलाव का बड़ा संकेत भी देता है। तालिबान और भारतीय अधिकारियों के बीच अब तक मुख्य रूप से दुबई और काबुल में बैठकें आयोजित की जा रही हैं। लेकिन यह पहली बार होगा जब तालिबान का शीर्ष नेतृत्व सीधे भारत आएगा। इस कदम के ज़रिये यह स्पष्ट रूप से संदेश जाता है कि अफगानिस्तान अब पाकिस्तान की छाया से बाहर निकलकर भारत के करीब आ रहा है। 15 अगस्त 2021 को जब तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया था तो भारतीय अधिकारी काबुल स्थिति दूतावास बंदकर दिल्ली लौट आए थे। उस वक्त माना गया कि अफगानिस्तान का दरवाजा अब दिल्ली के लिए हमेशा के लिए बंद हो गया है। लेकिन आज करीब चार सालों के बाद तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत आ रहे है। ऐसा शायद ही किसी ने सोचा होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मुत्ताकी के दिल्ली दौरे को मंजूरी दे दी है और वो 16 अक्टूबर से पहले भारत आ सकते हैं।तालिबान और भारतीय अधिकारियों के बीच अभी तक दुबई और काबुल में मुलाकात होती रही है और ये पहली बार होगा, जब तालिबान के शीर्ष नेतृत्व का कोई अधिकारी भारत आ रहा हो। इसीलिए आमिर खान मुत्ताकी का दिल्ली दौरा सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है। इस साल की शुरूआत में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुत्ताकी से टेलीफोन पर बात की थी और इस साल जून में, भारत ने हैदराबाद स्थित अफगान वाणिज्य दूतावास का नियंत्रण तालिबान की तरफ से नियुक्त किए गये मोहम्मद रहमान को वाणिज्य दूतावास प्रतिनिधि के रूप में सौंप दिया था।

अफगानिस्तान में आने वाले हर आपदा के समय भारत प्रतिक्रिया देने वाला पहला देश रहा है। हालिया भूकंप के समय भी भारत ने तत्काल राहत सहायता भेजी थी। इसके अलावा अफगान नागरिकों और भारतीय नागरिकों के बीच का रिश्ता भी काफी मजबूत है और ये एक बड़ी वजह है, जिसने तालिबान को भारत के साथ रिश्ता मजबूत करने को मजबूर किया है। नई दिल्ली ने करीब 50,000 टन गेहूं, 330 टन दवाइयां और अन्य खाद्य एवं आश्रय सामग्री अफगान जनता तक पहुंचाई है, जबकि सितंबर के भूकंप के तुरंत बाद राहत सामग्री भेजना भी भारत की अफगानिस्तान को लेकर तत्परता को दर्शाता है। भारत जानता है, कि अफगानिस्तान उसके लिए कितना महत्वपूर्ण है, खासकर उस वक्त जब तालिबान और पाकिस्तान बार बार युद्ध के मुहाने पर खड़े हो रहे हैं। तालिबान और पाकिस्तान के बीच का रिश्ता चीन की मध्यस्थता के बावजूद निम्नतम स्तर पर है।

जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट और मिडिल ईस्ट के जर्नलिस्ट उमर वज़ीरी ने लिखा है कि पाकिस्तान के साथ तालिबान के रिश्ते खराब होने के पीछे कई वजहें हैं। दशकों तक पाकिस्तान ने तालिबान को अपना प्रॉक्सी माना और उन्हें आश्रय, हथियार और वित्तीय सहायता दी। लेकिन पाकिस्तान ने इसके साथ ही अफगानिस्तान को अपना पांचवां राज्य भी मानना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने अफगानों को अपना गुलाम मानना शुरू कर दिया और पाकिस्तान चाहता था कि तालिबान की विदेश नीति इस्लामाबाद से तय हो। जिसे मानने से तालिबान ने साफ इनकार कर दिया। इसके बाद दिसंबर 2024 में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में भीषण हवाई हमला करते हुए दर्जनों अफगानों को मार डाला और पाकिस्तान में रहने वाले लाखों अफगानों को देश से बाहर कर दिया। तालिबान ने अफगान शरणार्थियों को बाहर निकालने की घटना को पाकिस्तान का विश्वासघात माना है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा, जिसे डूरंड लाइन कहा जाता है, उसपर भी पाकिस्तान और तालिबान के बीच विवाद है। तालिबान ने डूरंड लाइन पर पाकिस्तान की तरफ से लगाए गये बाड़ को उखाड़ फेंका है।

तालिबान, भारत को लेकर अफगानों के दिल में प्यार को महसूस कर रहा है। इसके अलावा तालिबान, पाकिस्तान की हरकतों से परेशान रहा है। तालिबान भी अफगानिस्तान में विकास चाहता है और वो चाहता है कि भारत, अफगानिस्तान में चलाए जा रहे अपने डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को फिर से शुरू करे। इसीलिए तालिबान ने कई दफे भारत को अपना सहयोगी कहकर संबोधित किया है। तालिबान ने पहलगाम आतंकी हमले की ना सिर्फ आलोचना की थी, बल्कि भारत के %जवाब देने के अधिकार% का भी समर्थन किया था। भारत ने अफगानिस्तान में 2000 के दशक से संसद भवन, सड़कें, बांध और स्कूल बनाने जैसे विकास कार्यों में योगदान दिया है। साथ ही, चाबहार पोर्ट के माध्यम से पाकिस्तान के बंदरगाह कनेक्शन को बायपास कर अफगानिस्तान को समुद्री मार्ग उपलब्ध कराना भी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। भारत ने तालिबान के साथ औपचारिक मान्यता दिए बिना बातचीत कर संतुलन बनाए रखा है।

उमर वज़ीरी ने कहा है कि तालिबान का भारत को लेकर सकारात्मक नजरिया न सिर्फ पाकिस्तान के लिए चेतावनी है, बल्कि दक्षिण एशियाई भू-राजनीति में बहुत बड़े बदलाव का संकेत भी देता है। पाकिस्तान की नीतियों, अफगानिस्तान में हवाई हमले, अफगान शरणार्थियों को बेइज्जत कर बाहर निकालना, सीमा विवाद ने पाकिस्तान को लेकर तालिबान के विश्वास को खत्म कर दिया है। जबकि भारत की दीर्घकालिक मदद, व्यापारिक विकल्प और सम्मानजनक संवाद तालिबान को पाकिस्तान की पकड़ से आजाद कर रहे हैं। मुत्ताकी की नई दिल्ली यात्रा इस बदलाव का प्रतीक बन गई है, जिससे साफ संदेश जाता है कि अफगानिस्तान अब पाकिस्तान की छाया से बाहर निकल कर भारत की तरफ बढ़ रहा है। वैसे भारत सरकार ने अभी तक अफगानिस्तान में तालिबान शासन को मान्यता नहीं दी है, लेकिन वह दिन दूर नहीं राह गया जब तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी अगले सप्ताह भारत आएंगे। चूंकि वे दुश्मन के दोस्त हैं, इसलिए ऐसी दोस्ती पर भारत को पुनर्विचार भी करना चाहिए । तालिबान ने चार साल पहले अगस्त 2021 में दूसरी बार अफगानिस्तान पर नियंत्रण किया था। जबकि तालिबान द्वारा पहली बार अफगानिस्तान में सरकार को उखाड़ फेंकने के समय भारत के अपदस्थ सरकार के साथ मजबूत संबंध थे और दूसरी बार भी, तालिबान पाकिस्तान के सक्रिय समर्थन से पैदा हुआ था और कश्मीर में आतंकवादियों के प्रति अपने सार्वजनिक भाईचारे के कारण शुरू से ही जिहादी संगठन के साथ मतभेद में रहा है। तालिबान को यह भी एहसास हो गया है कि वह अफगानिस्तान में पश्तूनों और अन्य संस्कृतियों का सफाया करके अपना खुद का निरंकुश शासन स्थापित करना चाहता है। इसलिए दूसरी बार सत्ता में आए तालिबान शासक पाकिस्तान के पक्ष में बिल्कुल भी नहीं हैं । इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत कई वर्षों से अफगानिस्तान में कई क्षेत्रों जैसे बुनियादी ढांचे, दवा, खाद्य आपूर्ति आदि में शामिल और निवेश कर रहा है।यह सबसे मूल्यवान सॉफ्ट पावर है जो क्रिकेट से आती है। इसका कालातीत महत्व कोविड काल के दौरान उतना ही स्पष्ट था जितना कि पिछले सितंबर में अफगानिस्तान में आए विनाशकारी भूकंप के बाद था। जबकि तालिबान को यह महसूस करने में समय लगा कि भारत इस तरह के कठिन क्षण में सबसे करीबी और सबसे विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता था, दोनों देशों के बीच इस साल औपचारिक और अनौपचारिक वार्ता के नियमित दौर हुए हैं, जिसका समापन आने वाले दिनों में तालिबान के विदेश मंत्रियों की बैठक में हुआ है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंधों में गिरावट का तात्कालिक कारण इस साल की शुरुआत में आया था- भारत और अफगानिस्तान के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं क्योंकि 80,000 अफगान शरणार्थियों को देश छोड़ने और अफगानिस्तान जाने के लिए कहा गया था। जनवरी में, भारत के विदेश सचिव, विक्रम मिश्री और अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी ने दुबई में मुलाकात की, और चर्चा का केंद्र मानवीय सहायता के आसपास था। तालिबान शासन ने अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की स्पष्ट रूप से निंदा की थी। 15 मई को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मुट्ठकी से फोन पर बात की और उन्हें धन्यवाद दिया। अगस्त 2021 के बाद से दोनों देशों के बीच यह पहला मंत्रिस्तरीय संपर्क था। दोनों देशों के बीच संबंधों ने वहां से एक अलग मोड़ और गति ली। तालिबान अब लगातार भारत से दवा, भोजन, प्राकृतिक क्षति और पुनर्वास सामग्री की मांग कर रहा है।

यह संबंध भारत के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि चाबहार बंदरगाह परियोजना के सफल और प्रासंगिक होने के लिए अफगानिस्तान का सहयोग महत्वपूर्ण होगा। अफगानिस्तान में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, जैसे दूरसंचार, बिजली आपूर्ति आदि में भारत की भागीदारी और सहयोग को अब चीन ने बदल दिया है। चीन ने कभी भी अंतरराष्ट्रीय संगठनों, विशेष रूप से पश्चिमी देशों के चुनिंदा और सुविधाजनक अफगान बहिष्कार का सामना नहीं किया है नहीं। इसलिए, हमने तालिबान शासन को मान्यता देने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण वर्ष बिताए और चीन ने इसका फायदा उठाया। आज, हम इस तथ्य से आंखें नहीं मूंद सकते हैं कि तालिबान भोजन और चिकित्सा सहायता के लिए भारत से मांग रहा है, लेकिन वे प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए चीन की ओर रुख कर रहे हैं। हमारी सरकार को इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि अफगानिस्तान के साथ संबंध स्थापित करने के दौरान, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि पाकिस्तान ने पिछले कुछ महीनों में भारत से अधिक दोस्त बनाए हैं। हमें अफगानिस्तान के साथ संपर्क और सहयोग बढ़ाते रहना होगा। यह एक तरह का जुआ है, लेकिन हर देश इसे अभी अलग-अलग नजरों में खेल रहा है।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

नवग्रह मेले में 19 लाख अधिक खर्च

कांग्रेसी पार्षदों ने कलेक्टर से की शिकायत

खरगौन • दैनिक इंदौर संकेत

नगर पालिका परिषद में नवग्रह मेले के आयोजन में स्वीकृत राशि से 19 लाख रुपये अधिक खर्च करने का मामला सामने आया है। विपक्ष के कांग्रेसी पार्षदों ने कलेक्टर भव्य मित्तल से इसकी शिकायत की है और उच्च स्तरीय जांच तथा कार्रवाई की मांग की है।

19 लाख रुपए अधिक खर्च

कांग्रेस पार्षद रियाजुद्दीन शेख, वारिस चौबे और असलम शेख ने अपने शिकायती पत्र में बताया कि 21 नवंबर 2024 को परिषद की बैठक में मेला आयोजन के लिए 40 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी। हालांकि, एक वर्ष बाद 1 सितंबर 2025 को परिषद सम्मेलन में इस स्वीकृति से 19 लाख रुपए अधिक व्यय बताया गया।विपक्ष ने नियमों का हवाला देते हुए इस पर विरोध दर्ज कराया, लेकिन बहुमत के आधार पर नगर पालिका अध्यक्ष और समर्थक पार्षदों ने इसे स्वीकृत करा लिया। पार्षदों का आरोप है कि यह वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में

आता है।

नगरपालिका अधिनियम का उल्लंघन

पार्षदों ने बताया कि यह मप्र नगर पालिका अधिनियम 1961 का स्पष्ट उल्लंघन है। अधिनियम की धारा 86 के अनुसार, स्वीकृति से अधिक व्यय के लिए संबंधित अधिकारी और जनप्रतिनिधि व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होते हैं। उन पर धारा 91 के अंतर्गत अतिरिक्त खर्च की वसूली की जानी चाहिए। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि परिषद की बैठक के संकल्प की प्रति 7 दिनों के भीतर उपलब्ध करवाने का नियम है, इसके बावजूद पार्षदों को प्रोसीडिंग की कॉपी महीनों तक नहीं दी जा रही है। पार्षदों ने चेतावनी दी है कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं होती है, तो वे इस मामले की शिकायत लेखा परीक्षण विभाग, लोकायुक्त संगठन और

अब स्कूलों को भी मिलेगी थ्री स्टार और फाइव स्टार रैंकिंग

खरगौन • दैनिक इंदौर संकेत

जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में अब पढ़ाई के साथ ही स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की स्थिति का ऑनलाइन मूल्यांकन किया जाएगा। राज्य शिक्षा केंद्र ने इसकी प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। यह अभियान पहले स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार योजना के नाम से ऑफलाइन चलता था, लेकिन अब इसे ऑनलाइन रूप में स्वच्छ और हरित विद्यालय रेटिंग के नाम से आयोजित किया जा रहा है। इस साल स्कूलों को मोबाइल एप और पोर्टल के जरिए अपनी जानकारी अपलोड करनी है। मूल्यांकन के लिए छह मुख्य पैमानों को तय किया गया है। जिसके आधार पर स्कूल पहले तो स्वयं का मूल्यांकन कर पाएंगे। इसी के आधार पर स्कूलों को थ्री स्टार और फाइव स्टार रैंकिंग भी मिलेगी। साथ ही राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा इन्हें पुरस्कृत भी किया जाएगा। स्कूलों में बच्चों को शुद्ध पेयजल, शौचालय और हाथ धोने जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलती।

बजरंग बहादुर को एसडीएम पद से हटाकर सिटी मजिस्ट्रेट बनाया

एसडीएम का जिम्मा ऋषि सिंघई को मिला, एडीएम पद पर 'बंटवारा' बाकी

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

एसडीएम पद पर लंबे समय से कार्यरत प्रभारी डिप्टी कलेक्टर बजरंग बहादुर को हटा दिया गया हैं। वे अब सिटी मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी संभालेंगे। इस संबंध में कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के अनुसार, खंडवा एसडीएम का जिम्मा ऋषि कुमार सिंघई को सौंपा गया हैं। वे ज्वाइंट कलेक्टर हैं।

ऋषि सिंघई को मिला एसडीएम का जिम्मा

ज्वाइंट कलेक्टर ऋषि कुमार सिंघई को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम)

खंडवा का प्रभार मिला हैं। प्रभारी डिप्टी कलेक्टर बजरंग बहादुर शहरी क्षेत्र में थाना पदमनगर, कोतवाली, मोघट और जीआरपी के तहत कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की भूमिका में रहेंगे। वे ज्ञापन, जुलूस, धरना, विरोध प्रदर्शन व विविध सामूहिक आयोजनों, मेला के दौरान पुलिस प्रशासन से समन्वय स्थापित कर शहर में कानून व्यवस्था का काम देखने के साथ अनुमति देने संबंधी कार्य देखेंगे।

एडीएम पद पर 'बंटवारा-कब्जे' का निराकरण जल्द

राजस्व विभाग में जैसे बंटवारा और कब्जे के मामलों का निराकरण होता हैं। वैसे ही राजस्व के अफसरों के बीच अब काम का बंटवारा होना बाकी हैं। साथ ही एक मामला कब्जे से जुड़ा हुआ हैं। दरअसल, एडीएम पर आईएएस सृष्टि देशमुख ने हाल ही में ज्वाइन किया हैं। लेकिन उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं मिली हैं। सोमवार को कार्य विभाजन होना था, लेकिन अभी तक आदेश जारी नहीं हुए हैं। एडीएम के कार्यों का बंटवारा ह्रस सृष्टि देशमुख

राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान कार्यकम 14 अक्टूबर को - मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित होंगे गीतकार प्रसून जोशी

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन, खंडवा के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान का आयोजन 13-14 अक्टूबर को पुलिस ग्राउंड पर किया जाएगा। दोनों दिनों की प्रस्तुतियां शाम 7 बजे से संयोजित की जाएंगी।

14 अक्टूबर को मुख्य समारोह - संचालक, संस्कृति एनपी नामदेव ने बताया कि पहले दिन 13 अक्टूबर को स्थानीय किशोर गायकों द्वारा सुगम संगीत की प्रस्तुतियां होंगी। इंदौर के अनिल शर्मा एवं बैंड श्रोताओं के लिए किशोर कुमार के यादगार नगमे पेश करेंगे। मुख्य समारोह 14 अक्टूबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा।

प्रसून जोशी को मिलेगा सम्मान- मुख्यमंत्री वर्ष-2024 के राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान (गीत लेखन) से मुंबई के सुविख्यात गीतकार प्रसून जोशी को विभूषित करेंगे। इस अवसर पर मुंबई के हेमंत कुमार म्यूजिकल ग्रुप द्वारा किशोर कुमार के सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

संत सिंगाजी महाराज मेले में 2 लाख श्रद्धालु पहुंचे-मंत्री उईके-शाह भी पहुंचे

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

संत सिंगाजी महाराज के मेले के मुख्य दिन शरद पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। करीब दो लाख श्रद्धालुओं ने सिंगाजी महाराज समाधि के दर्शन किए। परंपरा अनुसार, झाबुआ राजघराने से मुख्य निशान भी पहुंचा। समाधि पर 500 से ज्यादा निशान चढ़ाए गए। 50 क्विंटल के देशी घी भी चढ़ाया गया। इसके अलावा भक्तों ने केरी का भोग लगाया।

केंद्रीय राज्यमंत्री और विजय शाह पहुंचे

केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उईके, मंत्री विजय शाह, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक नारायण पटेल, छाया मोरे और कंचन तनवे अपने परिवार के साथ समाधिस्थल पहुंचे। उन्होंने निशान चढ़ाया और समाधि स्थल पर माथा टेका। सिंगाजी महाराज की समाधि पर सुबह 4 बजे पंचामृत से स्नान कर अभिषेक किया गया और आरती की गई। परंपरा के अनुसार, झाबुआ राजघराने का निशान, जो एक माह पहले निकला था।

164 दीप माला से की महाआरती

संत सिंगाजी समाधिस्थल पर 164 दीप मालाओं को प्रज्ज्वलित कर शाम 7 बजे भक्तों की उपस्थिति में

महाआरती की गई। सिंगाजी समाधि स्थल के महंत रतनलाल ने बताया कि महाआरती भक्तों की मौजूदगी में की जाती है, इस दिन बड़ी तादाद में भक्त महाआरती में शामिल होते हैं। लोग समाधि स्थल पर माथा टेक मनोकामना पूर्ण करने का आशीर्वाद लेते हैं। गेहलगांव चौराहे पर चार पहिया वाहन की पार्किंग लगाकर वाहनों को खड़ा किया गया। समाधिस्थल तक पहुंचने के लिए भक्तों को चार किलोमीटर का सफर तय करना पड़ा। अन्य भी पार्किंग स्थल मेला स्थल के नजदीक भी बनाए गए। जो पर्याप्त जगह न होने के कारण परेशानी का सबब बने। इस साल पार्किंग शुल्क भी 10 रुपए ज्यादा लेकर 30 रुपए लिया गया।

भावांतर पर सोयाबीन बेचने में किसानों की रुचि कम-अब तक सिर्फ 355 पंजीयन हुए

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा जिले के किसान भावांतर पर सोयाबीन बेचने में कम रुचि ले रहे हैं। जिले के 73 केंद्रों पर अब तक सिर्फ 355 किसानों ने ही पंजीयन किया है। इधर कृषि उपज मंडी में कपास की नीलामी को लेकर फैसला हो गया है। कपास मंडी की शुरुआत और नीलामी 8 अक्टूबर बुधवार के दिन से शुरू होगी। रविवार को कॉटन मर्चेंट एसोसिएशन ने इस पर निर्णय लिया है। मंडी सचिव ओपी खेड़े ने कहा कि, मौसम को देखते हुए किसान अपनी उपज ढककर लाए। इधर, जिले में कपास की खेती का रकबा करीब 50 हजार हेक्टेयर का है।

भावांतर में रुचि नहीं ले रहे किसान, सिर्फ 355 रजिस्ट्रेशन -भावांतर पर सोयाबीन बेचने में किसान कम ही रुचि ले रहे हैं। जिले के 73 केंद्रों पर पांच दिनों में मात्र 355 किसानों ने ही अपना पंजीयन सोयाबीन को भावांतर में बेचने के लिए कराया है। जबकि जिले में खेती करने वाले करीब 1.50 लाख किसान हैं। जिले में 30 सितंबर से भावांतर पर सोयाबीन की उपज खरीदने के लिए जिले में पंजीयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

किसान संगठन भी लगातार विरोध कर रहे -भारतीय किसान संघ के जिलामंत्री सुभाष पटेल ने बताया कि, पूरे जिले में किसानों की सोयाबीन की फसल प्रभावित हुई है। एक एकड़ में 20 से 30 किलो ही सोयाबीन निकला है जो कि बिजाई इतना भी नहीं है। इधर, शासन भावांतर योजना लेकर आ गया, जिसका कि भाकिसं विरोध करता है। खंडवा की कृषि उपज मंडी में शनिवार को आयोजित बैठक के दौरान उस वक्त माहौल गरम हो गया, जब एक किसान ने भरी बैठक में ही एसडीएम और मंडी सचिव को खरी-खोटी सुना दी। किसान ने साफ कहा तीन दिन में समस्या का हल नहीं हुआ तो मंडी में ताला लगा दूंगा। आप एसडीएम हो, लगे तो जेल भेज देना।

रणजी ट्रॉफी से वापसी कर सकते हैं पंत

बंगलुरु (एजेंसी) • चोट के कारण टीम इंडिया से बाहर चल रहे विकेटकीपर ऋषभ पंत रणजी ट्रॉफी से कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। हालांकि, यह उनकी फिटनेस पर निर्भर करता है। एक रिपोर्ट में दावा किया है कि पंत ने डीडीसीए के प्रेजिडेंट रोहन जेटली से रणजी ट्रॉफी खेलने की इच्छा जताई है। उन्होंने जेटली से कहा है कि उन्हें 25 अक्तूबर से दिल्ली में होने वाले मैच तक फिट हो जाना चाहिए। हालांकि, पंत को बीसीसीआई की मेडिकल टीम से क्लीयरेंस लेना होगा। ऋषभ पंत अपनी इंजरी के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी दो मैचों की टेस्ट टीम से बाहर हैं। ऋषभ वर्तमान में बंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी में रिहैब कर रहे हैं। उनकी फिटनेस पर सेंटर के सूत्र ने कहा, अभी तक संभावना यही है कि 10 अक्तूबर तक उन्हें क्लीन चिट मिल जाएगी। इसी हफ्ते उनका निरीक्षण होगा।

विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर होंगे स्टैंड

विशाखापत्तनम (एजेंसी) • भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज और पूर्व क्रिकेटर रवि कल्पना के नाम पर अब विशाखापत्तनम क्रिकेट स्टेडियम के दो स्टैंड होंगे। इन दोनो के नाम के स्टैंड का उद्घाटन 12 अक्टूबर को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले महिला विश्व कप मैच में किया जाएगा। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना के अनुरोध के बाद ही स्टैंड के नाम मिताली और कल्पना के नाम पर रखे जाने का फैसला लिया गया है। मंधाना की अपील पर मंत्री नारा लोकेश ने आंध्र क्रिकेट संघ से सलाह के बाद विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर स्टैंड के नाम रखे जाने का फैसला लिया। मंत्री नारा लोकेश ने कहा की मंधाना के सुझाव पर अमल महिला क्रिकेट की इन हस्तियों को सम्मानित करने के लिए किया जा रहा है। ऐसे में अब आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच से पहले 12 अक्टूबर को मिताली राज स्टैंड और रवि कल्पना स्टैंड का उद्घाटन करेगा।स्टैंड का नाम बदलने से महिला क्रिकेटर्स के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ ही खेल में उनके योगदान को भी महत्व देना है। इससे उभरती प्रतिभाओं को भी महिला क्रिकेट को एक पेशे के रूप में अपनाने की प्रेरणा भी मिलेगी। राज ने अपने करियर में 12 टेस्ट मैच खेले। वहीं आंध्र प्रदेश की कल्पना ने बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने के साथ ही सात एकदिवसीय भी खेले।

धोनी की कप्तानी में नहीं खेलने का मलाल हमेशा रहेगा - सूर्यकुमार

मुंबई (एजेंसी) • भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का कहना है कि उन्हें महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में नहीं खेलने की कमी हमेशा खेलेगी। सूर्यकुमार का कहना है कि वह हमेशा ही धोनी जैसे महान कप्तान की टीम में खेलना चाहते थे पर किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। उन्होंने हालांकि धोनी के खिलाफ जरूर खेला है पर उनके साथ नहीं खेल पाये। सूर्यकुमार को राष्ट्रीय टीम में देर से जगह मिली थी। उन्हें साल 2021 में विराट कोहली की कप्तानी में अवसर मिला था। इसके बाद वह रोहित शर्मा की कप्तानी में उतरे थे। वहीं अब वह स्वयं टी20 टीम के कप्तान हैं।

साल 2010 में सूर्यकुमार ने घरेलू क्रिकेट में डेब्यू किया था पर दस साल के बाद ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अवसर मिला। टीम में जगह मिलने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार आगे बढ़ते गये हैं।

सूर्यकुमार ने एक कार्यक्रम में कहा, सबसे पहले, मैं धोनी को याद करता हूं। जब वह भारतीय टीम के कप्तान थे, तब मैं हमेशा टीम में जगह पाने के प्रयास कर रहा था पर मिला नहीं। वहीं घरेलू क्रिकेट में जब भी मैं उनके खिलाफ खेला, मैंने उन्हें स्टंप के पीछे देखा। वह बहुत शांत स्वभाव के रहे हैं। उनके खिलाफ खेलते हुए मैंने उनसे एक बात सीखी है कि किसी भी प्रकार के दबाव के हालात में शांत बने रहना चाहिए। वह खेल के दौरान सभी ओर देखने के बाद अपने फैसले करते थे।। मैंने विराट कोहली की कप्तानी में अपना डेब्यू किया था। विराट बहुत ही मेहनती कप्तान रहे हैं। वह आपकी सीमाओं से आगे बढ़कर प्रदर्शन करते हैं और सर्वश्रेष्ठ चाहते हैं हालांकि सभी कप्तान सभी खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ की उम्मीद करते हैं पर वह मैदान पर और मैदान के बाहर भी ऊर्जा से भरे रहते थे। वह अन्य लोगों से थोड़े अलग थे।

वहीं रोहित शर्मा की कप्तानी को लेकर सूर्यकुमार ने कहा, इसके बाद रोहित आये। उनकी कप्तानी में मैंने आईपीएल के अलावा भारतीय टीम की ओर से भी काफी मैच खेले। वह ऐसे कप्तान हैं जो अपने आस-पास सभी को सहज महसूस कराते हैं। उनसे युवाओं को प्रेरणा मिलती है। वह सभी से बात करने और सहायता के लिए हमेशा उपलब्ध रहते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी खूबी है।

सिने जगत

फिल्म 'जटाधारा' से दर्शकों को चौंकाने वाली हैं सोनाक्षी सिन्हा

मुंबई (एजेंसी) • सोनाक्षी सिन्हा अपनी अपकमिंग फिल्म जटाधारा से दर्शकों को चौंकाने वाली हैं। अपने आगामी द्विभाषी (हिंदी-तेलुगु) प्रोजेक्ट से तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रहीं सोनाक्षी सिन्हा बड़े पर्दे पर पहली बार खलनायिका के रूप में नज़र आनेवाली हैं। हालांकि धन पिशाचिनी के रूप में उनका यह किरदार सिर्फ नकारात्मक ही नहीं, बल्कि बेहद शक्तिशाली और दमदार भी है। गौरतलब है कि जहां अधिकतर कलाकार अपने सकारात्मक किरदार को लेकर काफी सजग रहते हैं, वहां सोनाक्षी का यह कदम न सिर्फ साहसिक है, बल्कि उन्हें नए मुकाम पर ले जाने की काबिलियत को भी दर्शाता है। आध्यात्मिक प्रतीकों और शक्ति के स्त्री रूप को एक रोचक सिनेमाई ताने-बाने में पिरोते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने जिस तरफ अपना कदम बढ़ाया है, वो बॉलीवुड में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को और निखारने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

मेरी नानी मेरी पहली गुरु थीं - ईशा

मुंबई (एजेंसी) • ईशा कोप्पिकर के लिए दशहरा हमेशा से सिर्फ़ अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक ही नहीं रहा, बल्कि उनके जीवन में मौजूद चार पीढ़ियों की सशक्त महिलाओं की विरासत और ताकत का उत्सव रहा है। बचपन में हर अवसर पर नानी के साथ बिताए गए पल उनके लिए अनमोल रहे, जिन्होंने उन्हें जीवन में गरिमा, आत्मसम्मान और मजबूती के साथ जीना सिखाया। एक्ट्रेस ईशा कहती हैं, मेरी नानी मेरी पहली गुरु थीं, जिन्होंने मुझे सिखाया कि असली मजबूती क्या होती है। आज मेरे अंदर जो नैतिक मूल्य, सिद्धांत और सोच है, वो उनकी अडिग विचारधारा का ही प्रतिबिंब है। फिर आईं उनकी माँ, जिन्होंने न केवल इस विरासत को आगे बढ़ाया बल्कि जीवन की कठिनाइयों का सामना गरिमा और संकल्प के साथ करना भी सिखाया। ईशा कहती हैं, मेरी माँ ने मुझे सिखाया कि असली सहनशक्ति क्या होती है।

उज्जैन संभाग

कांग्रेस का प्रदर्शन, कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया, किसानों की बर्बाद हुई फसलों के मुआवजा की मांग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन • उज्जैन जिले में अति वृष्टि से फसलों को हुए नुकसान और मुआवजे की मांग को लेकर जिला शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा सोमवार को बड़ा प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस विधायक महेश परमार की अगवाई में कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता ने नारेबाजी कर किसानों को जल्द मुआवजा देने और अन्य मांगो को लेकर प्रदर्शन किया। कोठी रोड स्थित एनसीसी कार्यालय के सामने एकत्रित होकर कांग्रेसी रैली बनाकर संकुल भवन पहुंचे। यहां किसानों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया गया।

विधायक एवं जिलाध्यक्ष महेश परमार सहित शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी महिदपुर विधायक दिनेश जैन बोस सहित शहर के कई कांग्रेस नेता ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने किसानों की समस्याओं को दूर करते हुए किसानों की बर्बाद हुई फसलों के मुआवजा दिलाने की मांग की।

यहां किसानों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

जिसके चलते कांग्रेसी संकुल भवन में अंदर नहीं जा सके। उन्होंने बाहर सड़क पर बैठकर अपनी मांग रखते हुए किसानों के लिए बारी बारी से अपनी बात रखी। कांग्रेस के प्रदर्शन में कुछ किसान भी शामिल हुए थे उन्होंने भी अपनी बात रखी। विधायक महेश परमार ने कहा कि हमको राजनीति नहीं करनी है, लेकिन किसान लगातार आत्महत्या कर रहे हैं। सरकार को किसानों को जल्द मुआवजा देना चाहिए। हमारी मांग है की प्रदेश भर के किसानों को जल्द राहत राशि सरकार बांटे।

मां बगलामुखी धाम पहुंचे सुसनेर विधायक-खराब फसल का मुआवजा दिलाने की प्रार्थना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

आगर मालवा • किसानों की खराब फसलों का सर्वे कर उन्हें मुआवजा दिलवाने की मांग को लेकर सुसनेर विधायक भैरोंसिंह बापू कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ नलखेड़ा स्थित मां बगलामुखी मंदिर पहुंचे। विधायक बापू ने बताया कि उन्होंने मां बगलामुखी को ज्ञापन स्वरूप पत्र चढ़ाकर किसानों को न्याय दिलाने की प्रार्थना की। उन्होंने मुख्यमंत्री समेत आगर जिला प्रशासन के अधिकारियों को सद्बुद्धि देने की कामना की, ताकि किसानों की सही हानि रिपोर्ट तैयार कर उन्हें उचित मुआवजा दिलाए।

ज्ञापन में लिखा गया है कि वर्षा और कीट प्रकोप से आगर जिले के किसानों की फसलें नष्ट हो चुकी हैं। इसके बावजूद जिला प्रशासन ने अपनी रिपोर्ट में किसानों की हानि को शून्य बताया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी मां के दरबार में संकल्प लिया कि जब तक हर किसान को उसका हक और सम्मान नहीं मिल जाता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

नवजात की मौत के मामले में हंगामा -स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच के लिए अस्पताल पहुंची

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन • उज्जैन में फर्जी डॉक्टर के इलाज से नवजात की मौत के बाद स्वास्थ विभाग की टीम कार्रवाई के लिए सोमवार को विशेष अस्पताल पहुंची। जहां फर्जी डॉक्टर में गर्भवती महिला को भेजा था। यहां टीम जांच कर रही थी कि मरीज के परिजन भी विशेष अस्पताल पहुंच गए और उन्होंने अस्पताल में हंगामा करते हुए फर्जी डॉक्टर के खिलाफ नारेबाजी की। माधव अस्पताल के अधीक्षक डॉ. जितेंद्र रघुवंशी, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप कुमार सोमेश ,डीएचओ जितेंद्र सिंह राजपूत सहित स्वास्थ्य विभाग के अमले ने घटना के अगले ही दिन 3 अक्टूबर को डॉक्टर तय्यबा शेख का मक्सी रोड स्थित आशीर्वाद अस्पताल सील कर दिया था।

हंगामा करते परिजन

यहां टीम को पता चला था कि गर्भवती काजल को फ्रीगंज के विशेष अस्पताल भी भेजा गया था। इसके बाद सोमवार की स्वास्थ्य विभाग का अमला जांच के लिए विशेष अस्पताल पहुंचा। यहां काजल के भर्ती से लेकर डिस्चार्ज तक के सभी पेपर टीम ने चेक किए। इस दौरान काजल के परिजन और ग्रामीण भी अस्पताल पहुंच गए

और उन्होंने अस्पताल एक बाहर प्रदर्शन करते हुए फर्जी डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

अस्पताल में पहुंची जांच टीम

जांच के दौरान टीम ने काजल के पति को विशेष अस्पताल में भर्ती के समय के पेपर दिखाए जिसमे उसने साइन किए थे। इसे लेकर काजल के पति ने साफ इंकार कर दिया कि मुझसे कोरे कागज पर साइन करवाए थे। इधर अस्पताल प्रबंधन ने उन पर लगे सभी आरोपों को नकार दिया। उन्होंने कहा कि जब काजल यहां आई थी तब हमारे यह की गायनोकोलॉजिस्ट मौजूद नहीं थी। इसके बाद हमने उन्हें प्राथमिक उपचार देने और कुछ टेस्ट कराने के बाद दूसरे अस्पताल भेज दिया था।

सिंहस्थ महापर्व की प्लानिंग -2028 उज्जैन कुंभ के लिए 16 अधिकारियों को अलग-अलग विभागों की दी जिम्मेदारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन • सिंहस्थ मेले में अभी तीन साल बाकी हैं, लेकिन इससे पहले ही मेला अधिकारी आशीष सिंह ने कुंभ मेले के दौरान व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। संभाग के 16 अधिकारियों को अलग-अलग विभागों के दायित्व दिए गए हैं। इससे काम में तेजी आएगी। संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के सफल आयोजन के लिए नोडल अधिकारियों को अतिरिक्त दायित्व सौंपे हैं। इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं।

ये दायित्व, इन अधिकारियों के पास रहेगा

- आदेश के तहत अपर आयुक्त, उज्जैन संभाग, रत्नाकर झा (आईएएस) को मेला क्षेत्र के प्रशासनिक कार्यालय की व्यवस्था, वाहन व्यवस्था और बाह्य सड़क प्रबंधन दिया गया है।
- आयुक्त नगर पालिका निगम, उज्जैन, अभिलाष मिश्रा (आईएएस) को सॉलीड वेस्ट मेनेजमेंट दिया गया है।
- अपर कलेक्टर और प्रशासक महाकालेश्वर प्रबंध समिति, प्रथम कौशिक (आईएएस) को श्री महाकालेश्वर मंदिर दर्शन व्यवस्था और अन्य प्रमुख मंदिरों की व्यवस्थाएं है।
- सीईओ जिला पंचायत, देवास, ज्योति शर्मा (आईएएस) को स्वास्थ्य सुविधाएं व कंट्रोल कमांड सेंटर दिया गया है।
- आयुक्त नगर पालिका निगम, देवास, दिलीप कुमार(आईएएस) को सीवर संरचना, शौचालय सुविधाएं दिया गया है।
- सीईओ जिला पंचायत, उज्जैन, श्रेयांस कूमट (आईएएस) को पेयजल व्यवस्था, क्वालिटी कंट्रोल के लिए सिस्टम दिया गया है।
- वन मंडलाधिकारी उज्जैन, अनुराग तिवारी (आइएफएस) को घाटों की व्यवस्थाएं व नगर सौंदर्यीकरण का दायित्व सौंपा गया है।
- अपर आयुक्त नगर पालिका निगम, उज्जैन, संतोष टैगोर(आईएएस) को प्रोटोकॉल व्यवस्था व अधिकारियों/कर्मचारियों के ठहरने की व्यवस्था दिया गया है।
- सीईओ यूडीए संदीप सोनी को भीड़ प्रबंधन और आंतरिक मार्ग व्यवस्था व लोक परिवहन सौंपा गया।
- कार्यकारी निदेशक, मप्र औद्योगिक क्षेत्र विकास निगम, राजेश राठौर को पार्किंग और सैटेलाइट टाउन व्यवस्था दिया गया है।
- सीईओ जिला पंचायत, मंदसौर, अनूकुल जैन को संकेतक चिन्ह व सूचना प्रसारण और रेलवे संबंधित निर्माण कार्य दिया गया है।
- संयुक्त कलेक्टर एवं उप मेला अधिकारी सिंहस्थ 2028 संदीप सिंह को प्रकाश व्यवस्था दिया गया है।
- सीईओ स्मार्ट सिटी, संदीप शिवा को फायर प्लान दिया गया है।

एमवाय चूहा कांड में दो नवजातों की मौत के बाद जांच कमेटी की मुख्य अनुशंसा, चूहे के वीडियो बाहर नहीं आने चाहिए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश में कफ सिरप से बच्चों की मौत पर सरकार की लीपापोती जारी है। इसके पहले 2 और 3 सितंबर को इंदौर एमवाय अस्पताल में चूहा कांड से दो नवजातों की मौत अभी ठंडी भी नहीं हुई है। लेकिन इस मामले में द सूत्र को इस मामले की जांच (या कहें मुद्दा ठंडा करने) के लिए अस्पताल स्तर पर डीन द्वारा बनाई गई जांच कमेटी की रिपोर्ट मिली है। इसमें चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें सबसे गंभीर इन मौतों की बजाय ध्यान इस बात पर था कि एनआईसीयू में चूहा घूमने वाला वीडियो किसने बनाया और यह लीक होकर मीडिया में कैसे गया।

हाईकोर्ट पूछ चुका एफआईआर क्यों नहीं हुई–वहीं हाईकोर्ट द्वारा स्वत: संज्ञान लिए गए मामले में 6 अक्टूबर को तारीख लगी थी लेकिन केस लिस्ट पर नहीं है। यानी अब इसमें आने वाले दिनों में सुनवाई संभावित है। उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट ने बीती सुनवाई 15 सितंबर में पूछा था कि इसमें एफआईआर क्यों नहीं हुई और साथ ही पेस्ट कंट्रोल कंपनी और पीडब्ल्यूडी से भी जानकारी तलब की थी।

इन्होंने बनाया वीडियो और ऐसे हुआ लीक–इस पूरे मामले में सामने आया कि जब 30 अगस्त की रात बेबी रेहाना को चूहे द्वारा काटने की घटना सामने आई तब नर्सिंग ऑफिसर श्वेता चौहान ने इसकी जानकारी दी, लेकिन ड्यूटी डॉक्टर ने पूछा कि वाकई वह चूहा था। इस पर फिर जब बेबी को इन्क्यूबेटर से शिफ्ट किया गया, तब सुबह चार बजे फिर वह चूहा दिखा। इस पर चौहान ने वह वीडियो बना लिया और संबंधित डॉक्टर को डाल दिया। इसमें से उनके ग्रुप पीडियाट्रिक सर्जरी पर भी यह गया। उधर विभागाध्यक्ष ब्रजेश लाहोटी और अधीक्षक डॉ. अशोक यादव को भी गया। इन्होंने इसे एचएलएल कंपनी के अतुल मराठे को भेजा। यहीं से यह वीडियो लीक होकर मीडिया में गया।

जांच कमेटी ने की यह सिफारिश, वीडियो लीक नहीं हो

इस मामले में जांच कमेटी ने सख्त अनुशंसा की है कि सभी शासकीय अधिकारी व कर्मचारी हैं और शासन व अस्पताल की छवि का सवाल है। ऐसे में छवि खराब करने वाली फोटो, वीडियो निजी के पास नहीं जाना चाहिए थी, एचएलएल कंपनी निजी है उनके अतुल मराठे को भी यह वीडियो नहीं भेजा जाना चाहिए था। इन्हें शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों के बीच ही रखा जाना चाहिए।

जांच में यह भी सामने आया कि पेस्ट कंट्रोल कंपनी एजाइल ने इसके लिए विवेक पाल को नियुक्त किया हुआ था जो केवल 12वीं पास है और इसके बाद सर्टिफिकेट के नाम पर केवल 1 दिन का कोई सर्टिफिकेट है। कंपनी के पास कोई अनुभवी व्यक्ति ही नहीं है। वहीं पाल ने भी जानकारी मिलने के बाद भी रविवार 31 अगस्त को आकर पेस्ट कंट्रोल नहीं किया और बारिश का बोल टालमटोल कर दी। एमवाय हॉस्पिटल की जांच के दौरान सामने आया कि दो दिन तक लगातार चूहा काटने की घटना सामने आई पहले बेबी रेहाना और फिर बेबी मंजू की। इसकी जानकारी स्टाफ द्वारा दी गई, लेकिन इसके बाद भी कोई सीनियर डॉक्टर ने राउंड लेना उचित नहीं समझा। यह वरिष्ठों की लापरवाही है और इसमें कार्रवाई होना चाहिए। लाहोटी 31 अगस्त से 3 सितंबर तक छुट्टी पर थे, प्रभार डॉ. मनोज जोशी (एमवायएच प्रबंधन) के पास था।

एम्स के ब्लड बैंक से प्लाज्मा की चोरी कर्मचारी की करतूत सीसीटीवी में कैद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रतिष्ठित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ब्लड बैंक में आउटसोर्स कर्मचारी अंकित केलकर द्वारा प्लाज्मा चोरी करने की घटना सामने आई है। अंकित प्लाज्मा चुराते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद भी हुआ है। रिकॉर्ड के आधार पर प्रबंधन की शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपित डेढ़ महीने में ब्लड बैंक से 20 से अधिक यूनिट प्लाज्मा चोरी कर चुका है। इससे आशंका जताई जा रही है कि शहर में खून की कालाबाजारी करने वाला कोई बड़ा गिरोह सक्रिय है। संदेह है कि अंकित केलकर साथियों के साथ मिलकर प्लाज्मा भोपाल और आसपास के निजी अस्पतालों में मोटी कीमत पर बेचता था। अंकित को सुरक्षाकर्मियों ने शक के आधार पर 28 सितंबर को रोका था। उसके बैग से प्लाज्मा यूनिट मिले थे। इसी दौरान वह फरार हो गया। घटना के बाद प्रबंधन ने पुलिस में एफआइआर दर्ज करा दी है। आरोपित फरार है। घटना ने एम्स की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि प्रदेश में प्लाज्मा की कालाबाजारी के कई मामले सामने आ चुके हैं। ग्वालियर में अजय त्यागी को पुलिस ने गिरफ्तार किया था, जो अस्पतालों में मिलावटी प्लाज्मा सप्लाई करता था।

ईडी ने 71 करोड़ के आबकारी घोटाले में दो ठेकेदारों को किया गिरफ्तार, कई अधिकारी भी राडार पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ईडी इंदौर ने मध्यप्रदेश के सबसे बड़े शराब फर्जी चालान घोटाले की जांच के सिलसिले में ठेकेदार अंश त्रिवेदी और राजू दशवंत को गिरफ्तार कर लिया है। ईडी ने कुछ शराब ठेकेदारों के खिलाफ आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत इंदौर के रावजी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। इसमें कथित तौर पर सरकारी ट्रेजरी के माध्यम से राज्य के खजाने को लगभग 49.42 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया था। हालांकि बाद में जब शासन स्तर पर इसकी जांच हुई तो यह घोटाला 71 करोड़ तक पहुंच गया। हाल ही में इसी घोटाले में ईडी ने अधिकारियों के यहां भी दबिश दी थी।

ईडी ने बताया कि जांच में धोखाधड़ी योजना का पर्दाफाश हुआ है जिसमें आरोपी ठेकेदारों ने शुरुआत में नाममात्र राशि वाले ट्रेजरी चालान जमा किए, लेकिन जानबूझकर रुपए में शब्द वाला भाग खाली छोड़ दिया। जमा करने के बाद, उन्होंने धोखाधड़ी से अंकों और शब्दों, दोनों में बढ़ा-चढ़ाकर राशि भर दी। चालान की इन नकली प्रतियों को बाद में देशी शराब के गोदामों या जिला आबकारी कार्यालयों (विदेशी शराब के मामले में) में आबकारी शुल्क, मूल लाइसेंस शुल्क, या न्यूनतम गारंटी प्रतिबद्धताओं के भुगतान के झूठे प्रमाण के रूप में जमा किया गया। इन जाली दस्तावेज़ों के आधार पर, आरोपियों ने अवैध अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) और शराब लाइसेंस अनुमोदन प्राप्त किए, जिससे राज्य सरकार के साथ धोखाधड़ी की गई।

ईडी ने बताया कि अंश त्रिवेदी और राजू दशवंत दोनों की पहचान मुख्य षड्यंत्रकारियों के रूप में हुई है, जिन्होंने इस धोखाधड़ी को रचा और उसे अंजाम दिया। इससे शराब ठेकेदारों को अवैध रूप से मुनाफ़ा कमाने में मदद मिली और राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ। दोनों आरोपियों को माननीय मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया और उन्हें 08-10-2025 तक की हिरासत में भेज दिया गया है। इस घोटाले को लेकर 12 अगस्त 2017 को रावजी बाजार पुलिस स्टेशन में 14 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। तब विभाग ने भी आबकारी विभाग के कई अधिकारियों को सस्पेंड किया। इनकी विभागीय जांच अभी भी जारी है। हालांकि बाद में कई को बहाल कर दिया गया। आरोप है कि आबकारी विभाग के अफसरों को हर 15 दिन में चालान को क्रॉस चेक करना (तौजी मिलान) होना था, लेकिन उन्होंने तीन साल तक ऐसा नहीं किया। इसमें सांठगांठ का संदेह गया और अधिकारियों पर भी गाज गिरी। तब तत्कालीन सहायक आयुक्त इंदौर संजीव कुमार दुबे के साथ लसूड़िया आबकारी वेयरहाउस के प्रभारी डीएस सिसोदिया, महू वेयर हाउस के प्रभारी सुखनंदन पाठक, सब इंस्पेक्टर कौशल्या सबवानी, हेड क्लर्क धनराज सिंह परमार और अनमोल गुप्ता को सस्पेंडज किया गया

पैगंबर मोहम्मद पर टी राजा सिंह की फिसली जुबान, हैदराबाद पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर/हैदराबाद ● पूर्व बीजेपी नेता और तेलंगाना के विधायक टी राजा सिंह की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हैदराबाद पुलिस ने बीजेपी के फायरब्रांड नेता रहे टी राजा सिंह के खिलाफ पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी करने पर एफआईआर दर्ज की है। टी राजा सिंह के खिलाफ दी गई शिकायत में कहा गया है कि उन्होंने मध्य प्रदेश के इंदौर में दशहरा रैली के दौरान पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। टी राजा सिंह पिछले चुनावों में बीजेपी के टिकट पर गोशामहल से जीते थे, हालांकि इसी साल उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्त को लेकर हुए मतभेद के बाद बीजेपी छोड़ दी थी। ढ्ढस्ढ्ढरू के समर्थक माने जाने वाले सलमान ने एक्स पर इसकी जानकारी दी है। सलमान ने लिखा है कि उम्मीद करता हूं कि जल्द कार्रवाई होगी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न संबंधित धाराओं के साथ-साथ आईटी अधिनियम की धारा 61 और 67 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। कई नागरिकों द्वारा कथित ईशनिंदा वाली टिप्पणियों की निंदा करने के बाद मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने कहा कि जांच चल रही है और कानून के अनुसार उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह पहला मौका नहीं है जब टी राजा सिंह इस तरह के विवाद में फंसे हैं। वह अपने विवादास्पद भाषणों के लिए जाने जाने वाले टी राजा सिंह अक्सर सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाली टिप्पणियों के लिए सुर्खियों में रहे हैं। 2020 में मार्क जुकरबर्ग की कंपनी मेटा ने प्रतिबंधित कर दिया था। टी राजा सिंह दशहरे पर मध्य प्रदेश के इंदौर पहुंचे थे। उन्होंने कार्यक्रम के बाद अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से तस्वीरें साझा की थीं। राजा सिंह ने लिखा था कि इंदौर का शंखनाद हुआ सफल, 2 अक्टूबर को इंदौर की धरती पर हिन्दू आवाज गरजी।

ऑडिटर बसंत मंडलोई ने पद से दिया इस्तीफा

ग्रुप में अफसरों को याद दिलाया था काम; कहा- भ्रष्टाचार के झूठे केस में जोड़ देंगे मेरा नाम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के सीनियर ऑडिटर बसंत मंडलोई ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने संयुक्त संचालक के शोकॉज नोटिस का भी जवाब दिया है। कहा कि मैंने जो मैसेज लिखा था उसमें कुछ भी गलत नहीं है।

दरअसल, 8 सितंबर को बसंत मंडलोई ने विभागीय व्हॉट्स एप ग्रुप पर एक मैसेज किया था। जिसमें उन्होंने लिखा था कि इंदौर संभाग में कई जगहों पर कम से कम दो साल से ऑडिट को अंतिम रूप नहीं दिया है इसलिए इन जगहों खंडवा, बुरहानपुर सहित अन्य शहरों के सहायक संचालक, ऑडिटर या तो काम नहीं कर रहे या काम करने में अक्षम हैं।बसंत

मंडलोई के मैसेज को लेकर विभाग के संयुक्त संचालक राजकुमार सोनी ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था। मंडलोई ने इस नोटिस का जवाब 6 अक्टूबर को सौंपा है। इसमें उन्होंने लिखा कि मैंने जो मैसेज किया था, उसमें कुछ भी गलत नहीं है। जहां ऑडिट करने में अनियमितता है, वहां अफसर खुद जाकर चेक कर सकते हैं। इस पर सोनी ने मंडलोई से कहा कि अफसरों के बारे में इस तरह की टिप्पणी सार्वजनिक रूप से करने का अधिकार आपको नहीं है। सभी अफसर जिम्मेदार हैं और वे अपना काम सुचारू रूप से कर रहे हैं।

नौकरी पर रहा तो भ्रष्टाचार में जोड़ देंगे नाम

मंडलोई ने सोमवार को स्पष्टीकरण देने के बाद अपना इस्तीफा भी मुख्यालय को सौंप दिया। उन्होंने लिखा कि मैं यदि अब नौकरी पर रहा तो जबरदस्ती मेरा नाम किसी भी भ्रष्टाचार में जोड़ दिया जाएगा। मुझ पर कई लोगों का अतिरिक्त प्रभार भी है, इस वजह से मानसिक स्थिति भी गड़बड़ा रही है। बता दें मंडलोई इस वक्त धार में पदस्थ हैं। (साभार)

अगले 24 घंटों में गरज-चमक के साथ होगी मूसलाधार बारिश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश में बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश ने लोगों को गर्मी और उमस से बड़ी राहत दी है। अक्टूबर की शुरुआत में हुई तेज बारिश ने जहां फसलों को फायदा पहुंचाया, वहीं अब मौसम धीरे-धीरे साफ होने लगा है। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ बारिश का सिलसिला अब थमने की ओर है। अगले 24 घंटों में राज्य के 19 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जिसके बाद धीरे-धीरे मानसून पूरी तरह से विदा लेने लगेगा। इस दौरान आंधी और बिजली गिरने की संभावना भी कुछ इलाकों में बनी हुई है।

मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा अपडेट के अनुसार, अगले 24 घंटों में श्योपुर, गुना, शिवपुरी, सागर, दमोह, कटनी, शहडोल, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, हरदा, नर्मदापुरम, रायसेन, भोपाल, सीहोर, देवास और रतलाम जिलों में बारिश के आसार हैं। इन जिलों में बादल छाए रहेंगे और कहीं-कहीं हल्की गरज के साथ झमाझम बारिश देखने को मिल सकती है। वहीं, इंदौर, उज्जैन और धार के कुछ हिस्सों में भी बूंदाबांदी का दौर रह सकता है।

सोमवार को प्रदेश के कई हिस्सों में तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ बारिश दर्ज की गई। भोपाल, हरदा, रायसेन और गुना में जहां भारी बारिश हुई, वहीं इंदौर, देवास, मंदसौर, शाजापुर, आगर, बालाघाट, सिवनी, मंडला और कटनी में भी अच्छी बरसात देखने को मिली। इस बारिश ने एक ओर किसानों के चेहरों पर मुस्कान ला दी, तो दूसरी ओर कई निचले इलाकों में पानी भरने से लोगों को थोड़ी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ा। हालांकि, अब हालात सामान्य होते दिख रहे हैं क्योंकि बारिश का दौर कमजोर पड़ चुका है।

10 अक्टूबर से बदलेगा मौसम - लौटेगा सुहावना माहौल

मौसम विभाग की मानें तो 10 अक्टूबर के बाद पूरे प्रदेश में मौसम पूरी तरह साफ हो जाएगा। हवा में नमी कम होने लगेगी और तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की जाएगी। दिन में हल्की गर्माहट और रात में ठंडक का अहसास शुरू हो जाएगा। यह समय नवरात्रि की तैयारियों और रबी फसलों की बुवाई के लिए अनुकूल माना जा रहा है। किसानों के लिए राहत की बात यह है कि अब भारी बारिश या बाढ़ जैसी स्थिति की कोई संभावना नहीं है।

एलएनसीटी के चौकसे परिवार पर ईडी में मनी लॉन्ड्रिंग केस, आस्था फाउंडेशन में 200 करोड़ घोटाले में घिरे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आस्था फाउंडेशन सोसाइटी में 200 करोड़ के करीब के घोटाले में भोपाल के एलएनसीटी ग्रुप का लगभग पूरा चौकसे परिवार अब एक और बड़ी कार्रवाई में घिर गया है। इस मामले में ईओडब्ल्यू ने 9 सितंबर को चौकसे परिवार के सदस्यों के खिलाफ कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया था। इसके बाद इसकी शिकायत ईडी में भी हुई थी, अब यह सेंट्रल एजेंसी भी जांच में जुट गई है।

आस्था फाउंडेशन में 200 करोड़ के घोटाले में संस्था के पूर्व प्रेसीडेंट अनिल संघवी की रिपोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई एडहॉक कमेटी की फाइनेंशियल ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर गंभीर धाराओं में ईओडब्ल्यू ने केस दर्ज किया था। अब इसी रिपोर्ट के आधार पर ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ईओडब्ल्यू ने संस्था के पूर्व प्रेसीडेंट अनिल संघवी की शिकायत पर एलएनसीटी (LNCT) के जय नारायण चौकसे, अनुपम चौकसे, धर्मेंद्र गुप्ता, श्वेता चौकसे, पूनम चौकसे, पूजा चौकसे, आशीष जायसवाल समेत अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 61, 316, 318, 338 और 336(3) आर्थिक अपराध की धाराओं में केस किया है। अब इन्हीं सभी आरोपियों को ईडी ने भी अपनी ईसीआईआर के तहत मामले की जांच में लिया है। ईडी अब कभी भी ग्रुप पर छापे मार सकता है और अपराध से हुई कमाई के आधार पर एलएनसीटी ग्रुप की संपत्तियों को अटैच करने की कार्रवाई करेगा।

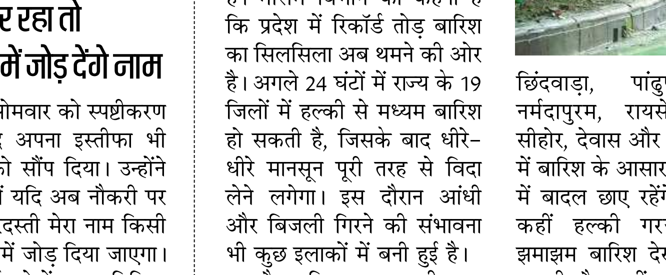

इस मामले में चौकसे परिवार ने जिस तरह से घोटाला किया है वह चौंकाने वाला है। आस्था फाउंडेशन और इसके खातों को निजी संपत्ति समझकर जमकर लूटा गया। द सूत्र के पास एक्सक्लूसिव तौर पर इस मामले की सौ से ज्यादा पन्नों की फाइनेंशियल रिपोर्ट मौजूद है। इसमें पूरे मामले का खुलासा है। उल्लेखनीय है कि यह ऑडिट रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई एडहॉक कमेटी, जिसमें दो पूर्व जस्टिस भी शामिल थे, की निगरानी में बनाई गई है। फॉरेन्सिक ऑडिट कमेटी ने एक अप्रैल 2021 से फरवरी 2025 तक श्री आस्था फाउंडेशन फॉर एजुकेशन सोसाइटी कनाडिया रोड इंदौर के रजिस्टर्ड सोसाइटी के खातों की पूरी जांच की। इस सोसाइटी के तहत एलएनसीटी मेडिकल कॉलेज, सेफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग कॉलेज, एलएनसीटी स्कूल ऑफ फार्मेसी, एलएन पेरामेडिकल कॉलेज, एलएनसीटी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, सेफ स्कूल ऑफ नर्सिंग, सेवाकुंज अस्पताल और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर का संचालन होता है। रिपोर्ट में है कि बस और होस्टल के लिए मिली करीब 8.22 करोड़ की राशि को सोसाइटी ने चौकसे परिवार की कंपनी कल्चुरी कांट्रेक्टर्स लिमिटेड को दे दी। इसके लिए एक कागज पर समझौता दिखाया गया कि बस और होस्टल का मेंटेनेंस कल्चुरी द्वारा किया जाएगा। जबकि होस्टल की बिल्डिंग खुद सोसाइटी की थी। इसके बावजूद कल्चुरी से करार दिखाकर पूरी फीस का डायवर्सन कल्चुरी को कर दिया गया। इसमें जो बस का मैनेजमेंट बताया गया वह भी सेफ इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग कॉलेज की ही है।

लोन लिया सोसाइटी ने, दे दिया चौकसे परिवार को

रिपोर्ट में है कि सोसाइटी के नाम पर बैंकों से करोड़ों का लोन उठाया गया। एक बार तो 21 दिन के भीतर 21.90 करोड़ का लोन लिया गया। यह लोन राशि चौकसे परिवार के एचके कल्चुरी ट्रस्ट को टर्म लोन के रूप में शिफ्ट कर दी गई। इसमें चौकसे परिवार के लोग ही सदस्य हैं। एसबीआई से नवंबर 2023 में 20 करोड़ का लोन लिया, जिसमें से 12 करोड़ ट्रस्ट को 1 दिसंबर 2023 को शिफ्ट हुए। आईसीआईसीआई कॉर्पोरेट से 23 अगस्त 2021 को 21 करोड़ का लोन लिया और इसमें से 5 करोड़ ट्रस्ट को, एचडीएफसी से 5-5 करोड़ के दो बार लोन लिए और इसमें से एक बार 5 करोड़ और एक बार 2 करोड़ ट्रस्ट को शिफ्ट हो गए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।